



ज्ञान-विज्ञान विमुक्तये

प्रो. रजनीश जैन
सचिव

Prof. Rajnish Jain
Secretary



सत्यमेव जयते

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
University Grants Commission

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)
(Ministry of Education, Govt. of India)

बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002
Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002

Ph : 011-23236288/23239337

Fax : 011-2323 8858

E-mail : secy.ugc@nic.in

D.O. No. F.1-21/2010(ARC)

March 19, 2021

Dear Sir/Madam,

In pursuance of the Judgment of the Hon'ble Supreme Court of India dated 8/5/2009 in Civil Appeal No. 887/2009, the University Grants Commission framed "UGC Regulations on Curbing the Menace of Ragging in Higher Educational Institutions, 2009" and are to be mandatorily followed by all universities and colleges. The Regulations are available on the UGC website i.e. www.ugc.ac.in. A nationwide toll free anti-ragging helpline 1800-180-5522 in 12 languages has been established which can be accessed by students in distress due to ragging. Ragging is a crime and top most priority has to be accorded to stop it immediately. The Commission has made it mandatory for all institutions to incorporate in their prospectus the directions of the Government regarding prohibition and consequences of ragging.

In this regard, from time to time, UGC has been issuing necessary advisories to all educational institutions which are available on UGC website. In spite of all these measures, we are yet to completely eliminate the menace of ragging. This is adversely affecting the higher education system of the country. I, therefore, request you to take strong measures to implement the Anti Ragging Regulations in your state and take stringent action against those flouting the guidelines.

Once again, may I request for your kind intervention in the matter to ensure that the concern is addressed in a time bound manner and your state become a "Ragging Free State" at the earliest.

With kind regards,

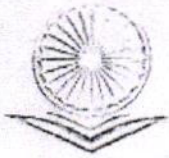
Yours Sincerely,

(Rajnish Jain)

To
The Chief Secretaries & Secretaries Higher Education Department of all States & UTs as per list attached



Principal
Govt. Y.T.P.G. Autonomous College
Durg (C.G.)



ज्ञान विज्ञान विमुक्तये

प्रो. रजनीश जैन
सचिव

Prof. Rajnish Jain
Secretary



सत्यमेव जयते

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
University Grants Commission

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)
(Ministry of Education, Govt. of India)

बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002
Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002

Ph.: 011-23236288/23239337

Fax: 011-2323 8858

E-mail: secy.ugc@nic.in

23 OCT 2020

16 अक्टूबर, 2020

अ.शा.मि.सं. 1-15/2009 (एआरसी) पार्ट-III

प्रिय महोदया/ महोदय,

सिविल अपील संख्या 887/2009 में भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय के दिनांक 8.5.2009 के निर्णय का अनुपालन करते हुए, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने "उच्चतर शैक्षणिक संस्थानों में रैगिंग के खतरे को रोकने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियम, 2009" को अधिसूचित किया। विनियम यूजीसी की वेबसाइट अर्थात् www.ugc.ac.in पर उपलब्ध हैं।

एक बार पुनः आपके संज्ञान में लाया जाता है कि रैगिंग एक दण्यनीय अपराध है और यूजीसी ने उच्चतर शैक्षणिक संस्थानों में रैगिंग के खतरे को रोकने संबंधी विनियम बनाए हैं ताकि रैगिंग को निषेध किया जा सके, रोका जा सके और समाप्त किया जा सके। ये विनियम अनिवार्य हैं और सभी संस्थानों से अपेक्षा की जाती है कि वे प्रक्रिया की निगरानी सहित इसको पूरी तरह कार्यान्वित करने के लिए आवश्यक कदम उठाएं और इन विनियमों के किसी भी तरह से उल्लंघन को गंभीरता से लिया जाएगा। यदि कोई संस्थान रैगिंग को रोकने के लिए पर्याप्त कदम उठाने में विफल रहता है या इन विनियमों के अनुसार कार्रवाई नहीं करता है या रैगिंग की घटनाओं के अपराधियों को उपयुक्त रूप से दंडित करने में विफल रहता है, तो यूजीसी द्वारा इसके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

आपसे अनुरोध है कि विभिन्न माध्यमों, रैगिंग-रोधी समिति एवं रैगिंग-रोधी दस्ते के गठन, रैगिंग-रोधी प्रकोष्ठ की स्थापना, महत्वपूर्ण स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाना, रैगिंग-रोधी कार्यशालाएँ और सेमिनार का आयोजन, नोडल अधिकारियों के पूर्ण विवरण सहित सभी वेबसाइटों को अद्यतन करना, खतरे की घंटियाँ आदि के माध्यम से पर्याप्त प्रचार द्वारा रैगिंग-रोधी तंत्र को आगे बढ़ाएं। छात्रों के साथ पारस्परिक बातचीत और परामर्श किया जाए, मुसीबत पैदा करने वालों की पहचान की जाए और संस्थानों के प्रोस्पेक्टस और सूचना पुस्तिकाओं/विवरणिकाओं में रैगिंग-रोधी चेतावनी का उल्लेख किया जाए। हॉस्टलों, छात्रों के आवास, कैंटीनों, विश्राम सह मनोरंजक कक्ष, शौचालयों, बस-अड्डों का औचक निरीक्षण किया जाए तथा प्रवेश केंद्र, विभागों, पुस्तकालय, कैंटीन, हॉस्टल, सामान्य सुविधाओं आदि जैसे सभी प्रमुख स्थानों पर रैगिंग-रोधी पोस्टर प्रदर्शित किए जाएं। ये पोस्टर यूजीसी की वेबसाइट www.ugc.ac.in पर उपलब्ध हैं। पोस्टरों का आकार 8x6 फीट होना चाहिए। रैगिंग को रोकने/शमन करने तथा अनुचित व्यवहार/घटना की पूर्व-सूचना देने वाले किसी अन्य उपाय को प्रारम्भ किया जाए।

रैगिंग से जुड़ी घटनाओं के कारण परेशानी में पड़े छात्र राष्ट्रीय रैगिंग-रोधी हेल्पलाइन 1800-180-5522 (24x7 टोल फ्री) पर कॉल कर सकते हैं अथवा रैगिंग-रोधी हेल्पलाइन helpline@antiragging.in पर ई-मेल कर सकते हैं। रैगिंग के संबंध में कोई भी अन्य जानकारी कृपया यूजीसी की वेबसाइट अर्थात् www.ugc.ac.in और www.antiragging.in से प्राप्त करें और यूजीसी की निगरानी एजेंसी अर्थात् अमन सत्य काचरू ट्रस्ट को मोबाइल नंबर 09871170303, 09818400116 पर संपर्क करें (केवल आपातकाल के मामले में)।



Principal

Govt. Y.T.P.B. Autonomous College
Durg (C.G.)

Principal

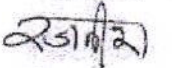
Govt. Y.T.P.B. Autonomous College
Durg (C.G.)

रैगिंग-रोधी मीडिया अभियान के साथ-साथ यूजीसी ने रैगिंग-रोधी विचारधारा को बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित इकाइयाँ विकसित की हैं जो यूजीसी की वेबसाइट www.ugc.ac.in पर उपलब्ध हैं।

- क. यूजीसी ने माता-पिता, पीड़ित और दोषियों के दृष्टिकोण से अलग-अलग 05 टीवी क्लिप तैयार की हैं, जो प्रत्येक 30 सेकंड की है।
- ख. यूजीसी ने 04 प्रकार के पोस्टर तैयार किए हैं और इन पोस्टरों को प्रमुख रूप से प्रदर्शित करने के लिए विश्वविद्यालयों/नियामक प्राधिकरणों/परिषदों/आईआईटी/ एनआईटी/अन्य शैक्षणिक संस्थानों को वितरित किया गया है।
- ग. यूजीसी ने रैगिंग के खतरे के विषय पर लगातार 02 रैगिंग-रोधी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया है ताकि छात्रों/शिक्षकों/ आम जनता के बीच व्यापक जागरूकता लाई जा सके।

यूजीसी विनियमों के दूसरे संशोधन के अनुपालन में, आपसे अनुरोध है कि प्रत्येक छात्र और प्रत्येक माता-पिता के लिए www.antiragging.in और www.amanmovement.org पर प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष में एक ऑनलाइन वचनबंध (Undertaking) जमा करना अनिवार्य बनाएं।

सादर,

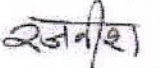
भवदीय,

(रजनीश जैन)

सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति


संलग्न: यथोपरि

प्रतिलिपि:

1. सभी नियामक निकाय
2. यूजीसी के क्षेत्रीय अधिकारी


(रजनीश जैन)




Principal
Gov. V.T.P.G. Autonomous College
Durg (C.G.)



प्रो. रजनीश जैन
सचिव

Prof. Rajnish Jain
Secretary



सत्यमेव जयते

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
University Grants Commission

बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002
Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002

Ph: (011) 23236288/23239337

Fax: 011 2323 8858

E-mail: secy.ugc@nic.in

अर्ध शासकीय पत्र संख्या 1-15/2009(एआरसी) भाग-III

दिनांक : 27 जून, 2019

आदरणीय महोदय/महोदया,

माननीय उच्चतम न्यायालय में दायर दिनांक 08 मई, 2009 की सिविल अपील संख्या 887/2009 में दिए गए निर्णय के अनुपालन में, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने "उच्चतर शिक्षा संस्थानों में रैगिंग की समस्या पर रोक लगाने संबंधी विनियम, 2009" को अधिसूचित किया है। यह विनियम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की वेबसाइट अर्थात् www.ugc.ac.in पर उपलब्ध है। यह विनियम देश के सभी उच्चतर शिक्षा संस्थानों में अनिवार्य है।

चूंकि रैगिंग मुक्त परिसर सुनिश्चित करने के लिए, बहु प्रणालियों की आवश्यकता है, आपके क्षेत्राधिकार के तहत आपके सम्मानित विश्वविद्यालय तथा सभी संस्थानों में लागू किए जाने वाली कुछ सिफारिशों तथा कार्रवाईयों का ब्योरा नीचे दिया गया है।

क. मूलभूत उपाय:

1. रैगिंग रोधी समितियाँ, रैगिंग रोधी दस्तों का गठन, रैगिंग रोधी प्रकोष्ठ की स्थापना और विभिन्न मीडिया के माध्यम से इन उपायों का पर्याप्त प्रचार किया जाए।
2. संस्थान की विवरणिका और सूचना पुस्तिकाओं/ ब्रोशर में रैगिंग रोधी चेतावनी का उल्लेख सुनिश्चित किया जाएगा।
3. रैगिंग रोधी समिति से संबंधित नोडल अधिकारियों के पूर्ण पते और संपर्क संबंधी ब्योरे के साथ संस्थानों की वेबसाइट अद्यतन करना।
4. प्रत्येक छात्र और प्रत्येक माता-पिता द्वारा वचनपत्र प्रस्तुत करने के संबंध में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियमों तथा इसके द्वितीय संशोधन के अनुपालन में प्रत्येक शिक्षा वर्ष में एक ऑनलाइन वचनपत्र जमा करना होगा।
5. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने निम्नवत को शामिल करते हुए रैगिंग की परिभाषा को विस्तार देने के लिए दिनांक 29 जून, 2019 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियमों में तीसरे संशोधन को अधिसूचित किया:
3. किसी दूसरे छात्र (नए अथवा अन्यथा) पर रंग, नस्ल, धर्म, जाति, नृजातीय, लिंग (ट्रांसजेंडर सहित), यौन झुकाव, रूपरंग, राष्ट्रीयता, क्षेत्रीयता, भाषायी पहचान, जन्म स्थान, निवास स्थान अथवा आर्थिक पृष्ठभूमि के आधार पर शारीरिक अथवा मानसिक दुर्व्यवहार (जिसमें दबंगई तथा बहिष्करण शामिल हैं) का कोई भी कृत्य
6. महत्वपूर्ण स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाना।


ख. परामर्श तथा निगरानी संबंधी उपाय

1. छात्रों के साथ नियमित रूप से बातचीत और परामर्श से रैगिंग के शुरुआती लक्षणों और समस्याओं का पैदा करने वाले अन्य कारकों की पहचान की जा सकती है।
2. छात्रावासों, छात्रों के आवास, जलपानगृह, विश्राम-सह-मनोरंजन कक्ष, शौचालयों, बस-स्टैंड का आचक निरीक्षण, और कोई भी अन्य उपाय जो रैगिंग को रोकने/ लगाम लगाने और अनुचित व्यवहार/ घटना के रोकने में प्रभावी साबित होंगे।

ग. रैगिंग मुक्त कैम्पस के विचार का सृजनात्मक रूप से प्रसार

1. विचार के प्रसार के लिए रैगिंग रोधी कार्यशालाएं, संगोष्ठियां जैसे कार्यक्रम और अन्य रचनात्मक उपाय करना।
2. व्यक्तियों की गोपनीयता का प्रभावित किए बिना सुरक्षा और संरक्षा ऐप रचनात्मक रूप से तैनात किए जा सकते हैं।




Principal
Govt.V.I.P.G. Autonomous College
Burg (C.G.)

घ. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा आरंभ किए गए अन्य उपायों का उपयोग करना


1. रैगिंग संबंधित घटनाओं के कारण परेशान छात्र राष्ट्रीय रैगिंग रोधी हेल्पलाइन नम्बर 1800-180-5522 (24x7 टोल निःशुल्क) पर कॉल कर सकते हैं अथवा हेल्पलाइन helpline@antiragging.in पर रैगिंग रोधी हेल्पलाइन पर ई-मेल कर सकते हैं।
2. रैगिंग के संबंध में किसी भी अन्य जानकारी के लिए, कृपया विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की वेबसाइट अर्थात् www.ugc.ac.in और www.antiragging.in पर जाएं और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की निगरानी एजेंसी अर्थात् अमन सत्य कचरू ट्रस्ट से मोबाइल नंबर 09871170303, 09818400116 (केवल आपात स्थिति में) पर संपर्क करें।
3. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विभिन्न तरीकों के माध्यम से एक रैगिंग रोधी मीडिया अभियान भी चलाता है और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने रैगिंग रोधी अभियान को बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित इकाइयाँ विकसित की हैं जो विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की वेबसाइट अर्थात् www.ugc.ac.in पर उपलब्ध हैं।
 - क. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने माता-पिता, पीड़ित और दोषियों के परिप्रेक्ष्य से प्रत्येक 30 सैकेण्ड की अवधि के 05 अलग-अलग टीवीसी तैयार किए हैं।
 - ख. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने विश्वविद्यालयों/ विनियामक प्राधिकरणों/ परिषदों/ आईआईटी/ एनआईटी/ अन्य शैक्षणिक संस्थानों में पोस्टरों को प्रमुखता से प्रदर्शित करने के लिए पोस्टर डिजाइन किए हैं और उनमें सवितरित किए हैं।
 - ग. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने रैगिंग की समस्या के बारे में व्यापक जागरूकता पैदा करने के लिए छात्रों/ संकायों/ आम जनता के लिए लगातार 02 रैगिंग रोधी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के विनियमों के किसी भी प्रकार से उल्लंघन किए जाने अथवा संस्थान द्वारा इन विनियमों के अनुरूप रैगिंग पर लगाम लगाने हेतु पर्याप्त कदम उठाने में असफल रहने पर अथवा रैगिंग की घटनाओं के अपराधियों को उपयुक्त रूप से दंडित करने में विफल रहने पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

आपसे अनुरोध है कि इस कार्यालय के दिनांक 27 दिसंबर, 2018 के समसंख्यक पत्र के माध्यम से सम्प्रेषित सिफारिशों को कार्यान्वित करें और इस प्रकार एक रैगिंग मुक्त परिसर सुनिश्चित करें, जोकि परिवर्तन, ज्ञानार्जन और प्रगति के प्रति उदार सहायक और निष्पक्ष संस्थागत परिवेश तैयार करने के लिए मूलतः आवश्यक है।

सादर

भवदीय,


(रजनीश जैन)

सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति




Principal
Govt. V.P.G. Autonomous College
Bhubaneswar (O.O.)

छ. ग. राजपत्र

दिनांक 7 जन 2002.

"बिजनेस पोस्ट के अन्तर्गत डाक शुल्क के नगद भुगतान (बिना डाक टिकट) के प्रेषण हेतु अनुमत. क्रमांक जी. 2-22-छत्तीसगढ़ गजट/38 ति. से. भिलाई, दिनांक 30-5-2001."

पंजीयन क्रमांक "छत्तीसगढ़/दुर्ग/
सी. ओ./रायपुर/17/2002."



सत्यमेव जयते

छत्तीसगढ़ राजपत्र

(असाधारण)

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 140]


रायपुर, गुरुवार, दिनांक 23 जनवरी 2002 — वैशाख 14, शक 1924

विधि और विधायी कार्य विभाग
मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर
रायपुर, दिनांक 23 जनवरी 2002

क्रमांक 573/21-अ/प्र/21-1-2002.—छत्तीसगढ़ विधान सभा का निम्नलिखित अधिनियम, जिस पर दिनांक 21-1-2002 को छ.ग. के राज्यपाल की अनुमति प्राप्त हो चुकी है, एतद्द्वारा सर्वसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
आई.एस. उबोवेजा, उप-सचिव.




Principal
Govt. C.P.G. Autonomous College
Durg (C.G.)

छत्तीसगढ़ अधिनियम
(क्रमांक 5 सन् 2002)


छत्तीसगढ़ शैक्षणिक संस्थाओं में प्रताड़ना (रैगिंग) का प्रतिषेध अधिनियम, 2001
(क्रमांक 5 सन् 2002)

विषय-सूची

खण्ड :-

1. संक्षिप्त नाम, विस्तार और प्रारंभ.
2. परिभाषाएं.
3. रैगिंग का प्रतिषेध.
4. दण्ड.
5. संज्ञेय अपराध, गैर जमानतीय.
6. अपराधों का विचारण.
7. छात्र के निष्कासन के लिए नियोग्यता.




Principal
G. V. K. T. P. B. Autonomous College
Raipur (C.G.)

छत्तीसगढ़ अधिनियम
(क्रमांक 5 सन् 2002)

छत्तीसगढ़ शैक्षणिक संस्थाओं में प्रताड़ना (रैगिंग) का प्रतिषेध अधिनियम, 2001
(क्रमांक 5 सन् 2002)

राज्य के शैक्षणिक संस्थाओं में रैगिंग को रोकने के लिए तथा उनके क्रियाकलापों के नियमन एवं तदसम्बन्धी एवं तदजनित विषयों के प्रावधान हेतु अधिनियम.

भारत के गणराज्य के बावनवें वर्ष में छत्तीसगढ़ विधान-सभा द्वारा निम्नानुसार अधिनियमित हो :-

1. (1) इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम छत्तीसगढ़ शैक्षणिक संस्थाओं में प्रताड़ना (रैगिंग) का प्रतिषेध अधिनियम, 2001 (क्रमांक 5 सन् 2002) है.
- (2) इसका विस्तार सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में होगा.
- (3) यह ऐसी तारीख से प्रवृत्त होगा जो राज्य सरकार अधिसूचना द्वारा नियत करे.
2. इस अधिनियम में, जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो -
 - (क) "रैगिंग" से अभिप्रेत है किसी छात्र को मजाक पूर्ण व्यवहार से या अन्य प्रकार से ऐसा कृत्य करने के लिए उत्प्रेरित, बाध्य या मजबूर करना, जिससे उसके मानवीय मूल्यों का हनन या उसके व्यक्तित्व का अपमान या उपहास अभिदर्शित होता हो, या उसे अभित्रास, सदोष अवरोध, सदोष परिरोध या क्षति, या उस पर आपराधिक बल के प्रयोग या सदोष अवरोध, सदोष परिरोध, क्षति या आपराधिक बल प्रयोग कर अभित्रास देते हुए किसी विधि पूर्ण कार्य से प्रविरत करता हो.
 - (ख) "शैक्षणिक संस्था" में शासकीय, स्वशासी एवं अशासकीय शैक्षणिक संस्थाएं शामिल हैं.
3. किसी शैक्षणिक संस्था का छात्र प्रत्यक्षतः अथवा अप्रत्यक्षतः न तो रैगिंग करेगा और न ही उसमें भाग लेगा.
4. यदि कोई व्यक्ति धारा 3 के उपबन्धों का उल्लंघन करता है तो वह दोनों में से किसी भांति के कारावास जिसकी अवधि 5 वर्ष तक की हो सकेगी, या जुर्माने से जो 5000 रुपये तक हो सकेगा, या दोनों से दण्डित किया जा सकेगा.
5. इस अधिनियम के सज्ञान किये जाने योग्य प्रत्येक अपराध संज्ञेय व गैर जमानतीय होगा.
6. (1) इस अधिनियम के अधीन दण्डनीय प्रत्येक अपराध का विचारण प्रथम वर्ग के न्यायिक दण्डाधिकारी द्वारा किया जायेगा.
- (2) इस अधिनियम के उपबन्धों के अधीन अपराधों के अन्वेषण, जांच तथा विचारण में अपराध प्रक्रिया संहिता, 1973 (क्रमांक-2 सन् 1974) को उपबन्ध लागू होंगे.

संक्षिप्त नाम, विस्तार और प्रारंभ

परिभाषाएं.

रैगिंग का प्रतिषेध.

दण्ड

संज्ञेय अपराध, गैर जमानतीय.

अपराधों का विचारण.



Ne
Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous College
Durg (C.G.)

7. (1) इस अधिनियम के अधीन अन्वेषण या विचारण लंबित होने पर शिक्षण संस्था का प्रधान इस अधिनियम के अधीन किसी अपराध के लिए अभियुक्त छात्र को निलंबित, तथा शैक्षणिक संस्था परिसर तथा इसके छात्रावासों में प्रवेश से वर्जित कर सकेगा.
- (2) किसी शैक्षणिक संस्था का कोई छात्र, जो इस अधिनियम के अधीन सिद्ध दोष पाया गया हो, शैक्षणिक संस्था से निष्कासन का भागी होगा.
- (3) ऐसे छात्र जो निष्कासित किया गया हो या अन्य कोई व्यक्ति जो इस अधिनियम के अधीन सिद्ध दोष पाया गया हो, को किसी भी शैक्षणिक संस्था में तीन वर्ष की अवधि तक प्रवेश नहीं दिया जायेगा.

छात्र के निष्कासन के लिए
निर्दोषता.



Me
Principal
Govt. Y.I.P.G. Autonomous College
Durg (C.G.)

संलग्न - 1
छात्र/छात्रा का शपथ पत्र

मैं (छात्र/छात्रा का पूरा नाम प्रदेश/पंजीयन/नामांकन सहित)
पुत्र/पुत्री/श्री/श्रीमती (संस्था का नाम)
..... में प्रवेश प्राप्त कर चुका/चुकी हूँ। मैंने उच्च शिक्षण संस्थानों में रैगिंग के अपराध को समाप्त करने के

लिए यू.जी.सी. नियमावली 2009 प्राप्त की, उसको सावधानी पूर्वक पढ़ा और पूर्णतः समझा।

मैंने विशेषतः नियमों की कंडिका-32 का अध्ययन किया और रैगिंग किस प्रकार की होती है, के प्रति सजग हुआ/हुई।

मैंने कंडिका 7 और 9.1 के नियमों का भी विशेष अध्ययन किया और मैं प्रशासकीय कार्यवाही से अवगत हूँ जिसके अंतर्गत यदि मैं रैगिंग को बढ़ावा देता हूँ/देती हूँ अथवा प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करता/करती हूँ या षडयंत्र करता/करती हूँ तो मेरे विरुद्ध कार्यवाही हो सकती है।

मैं सत्य निष्ठा से संकल्प लेता/लेती हूँ कि -

(अ) मैं ऐसा कोई भी कार्य नहीं करूँगा/करूँगी जोकि कंडिका-3 के नियम के अंतर्गत रैगिंग की श्रेणी में आता हो -

(ब) मैं ऐसे किसी भी कार्य में प्रतिभागी नहीं बनूँगा/बनूँगी जो कंडिका-3 रैगिंग के अंतर्गत अपराध को बढ़ावा देता हो।

मैं सत्य निष्ठा से वचन देता/देती हूँ कि यदि मैं रैगिंग में लिप्त पाया जाता/जाती हूँ तो मेरे विरुद्ध उक्त नियमों की कंडिका 9.1 के अंतर्गत बिना किसी पूर्व न्यायिक कार्यवाही के अपराधिक कार्यवाही की जा सकती है।

मैं घोषणा करता/करती हूँ कि देश की किसी भी संस्था से ना तो निकाला गया और न ही प्रवेश के लिये वर्जित किया गया न ही रैगिंग जैसे अपराध को बढ़ावा देने सहायता करने या षडयंत्र में अपराधी पाया गया/गई हूँ। मैं अच्छी तरह जानता/जानती हूँ कि यदि मेरी ये घोषणा असत्य पाई जाती है तो मेरा प्रवेश निरस्त किया जा सकता है।

घोषणा की दिनांक : माह वर्ष

शपथकर्ता के हस्ताक्षर

नाम

सत्यापन

मैं सत्यापित करता/करती हूँ कि उक्त शपथ पत्र में उल्लिखित सभी तथ्य मेरी जानकारी में सत्य है और कोई भी तथ्य असत्य नहीं है तथा कुछ भी छिपाया नहीं गया है।

सत्यापन का (स्थान) (दिन) (माह) वर्ष

शपथकर्ता के हस्ताक्षर

उपस्थिति में शपथ-पत्र में उल्लेखित नियमों का अध्ययन कर (दिन) (माह) वर्ष को हस्ताक्षर आत्मिक स्वीकृति दी गई।

शपथ आयुक्त



Principal
Govt. V.V.P.B. Autonomous College
Burg (C.G.)

संलग्न - 2

माता-पिता / अभिभावक का शपथ पत्र

मैं श्री/श्रीमती/कु. (माता-पिता/अभिभावक का पूरा नाम)

..... (छात्र का पूरा नाम, प्रदेश, पंजीयन/नामांकन संख्या सहित)

..... (संस्था का नाम)

..... में प्रवेश हो चुका है, पुष्टि करता हूँ कि मुझे रैगिंग अपराध को समाप्त करने

हेतु यू.जी.सी. की नियमावली 2009 प्राप्त हुई जिसे मैंने सावधानीपूर्वक पढ़ा और पूर्णतः समझा।

2. मैंने विशेषतः नियमों की कंडिका - 3 का अध्ययन किया और रैगिंग क्या है से अवगत हुआ।
3. मैंने उक्त नियमों की कंडिका 7 और 9.1 का विशेष अध्ययन किया और मैं पूर्ण रूप से अवगत हूँ कि यदि मेरा पुत्र/पुत्री रैगिंग को बढ़ावा देने में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने में अपराधी पाया जाता है तो उसके विरुद्ध प्रशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।
4. मैं सत्य निष्ठा से संकल्प लेता हूँ कि -
 - (अ) मेरा पुत्र/पुत्री किसी भी प्रकार के रैगिंग अपराध में सम्मिलित नहीं होगा जो कि कंडिका - 3 के अंतर्गत आता है।
 - (ब) मेरा पुत्र/पुत्री किसी भी ऐसे कार्य में प्रतिभागी नहीं बनेगा जो कंडिका - 3 के अंतर्गत रैगिंग अपराध की श्रेणी में आता हो।
5. मैं सत्यनिष्ठा से वचन देता हूँ कि यदि मेरा पुत्र/पुत्री रैगिंग अपराध में लिप्त पाया जाता है तो उसके विरुद्ध उक्त नियमों की कंडिका 9.1 के अंतर्गत बिना किसी पूर्व न्यायिक कार्यवाही के सजा हो सकती है।
6. मैं घोषणा करता हूँ कि मेरा पुत्र/पुत्री रैगिंग के अपराध के कारण देश की किसी भी संस्था से न तो निष्कासित किया गया न ही प्रवेश से वंचित किया गया।
घोषणा की दिनांक (माह) वर्ष

शपथकर्ता के हस्ताक्षर

नाम

पता

फोन/मोबाइल नंबर

सत्यापन

मैं सत्यापित करता/करती हूँ कि उक्त शपथ पत्र में उल्लिखित सभी तथ्य मेरे स्वयं के ज्ञान व विश्वास के अनुसार सत्य है और कुछ भी छिपाया नहीं गया है।

सत्यापन का (स्थान) (दिन) (माह) वर्ष

शपथकर्ता के हस्ताक्षर

मेरी उपस्थिति में शपथ-पत्र में उल्लिखित नियमों का अध्ययन कर (दिन) (माह) वर्ष को हस्ताक्षर
आत्मिक स्वीकृति दी गई।

शपथ आयुक्त

Principal
GATEWAY T.P.G. Autonomous College
Durg (C.G.)



ORDINANCE No.6
EXAMINATIONS (GENERAL)

(Refer clause (iii) of Section 37)

PART-I Definitions:

1. In this Ordinance and in all Ordinances and Regulations laying down conditions for appearing at an examination of the University for a Degree or a diploma, either generally or for a particular examination, unless there is anything repugnant in the subject or context:-

- (i) 'Regular Candidate' means a person who has prosecuted a regular course of study in a University Teaching Department, School of Studies or College and seeks admission to an examination of the University as such.
- (ii) 'Ex-Student Candidate' means a person who was admitted to an examination as regular candidate and was not declared successful there at or was not able to appear in the examination though admission card was correctly issued to him by the University and seeks admission again to the said examination.
- (iii) 'Non-Collegiate Candidate' means a person who seeks admission to an examination of the University otherwise than as a regular candidate or ex-student candidate.
- (iv) 'A Regular Course of Study' means:-
 - (a) In case of faculties other than the Faculty of Medicine, Ayurveda, and Engineering, attendance at least 75% of lectures and practicals separately;
 - (b) In case of the Faculties of Medicine & Ayurveda, attendance at least seventy five percent of lectures and eighty five percent of practicals and clinicals separately,
 - (c) In case of the Faculty of Engineering, attendance at least eighty five percent of lectures and practicals/sessional work separately -

In a University Teaching Department, School of Studies or College in each subject which a candidate intends to offer an examination.
N.B. In this ordinance, unless provided otherwise, lectures shall include tutorials and seminars.


Principal

Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College
Durg (C.G.)




(v) 'Forwarding Officer' means:-

- (a) In case of an ex-student candidate, the Principal of the College where the candidate had prosecuted a regular course of study.
 - (b) In case of non-collegiate candidate other than one who has taken a correspondence course in the University, the Principal of the College which the candidate chooses as his examination centre.
 - (c) In case of a non-collegiate candidate who has taken a correspondence course for the examination in the University, the officer in charge of the correspondence course.
- (vi) 'Attested' means attested by the Forwarding Officer.

PART-II Admission of Regular Candidate to an Examination of the University:

1. No. regular candidate shall be admitted to an Examination of the University unless he:
 - (i) has been enrolled as a student in a University Teaching Department, School of Studies or College in accordance with the Provision of the Ordinance.
 - (ii) possesses the minimum academic qualification for admission and has prosecuted a regular course of study of that examination.
 - (iii) has been enrolled as a student of the University.
 - (iv) satisfied all other provisions, applicable to him of this Ordinance and any other Ordinance governing admission to the examination to which he seeks admission.
2. Where a candidate offers an additional subject for an Examination in accordance with the provision of the Ordinance relating to the examination, the minimum attendance requirement shall apply equally in case of such additional subject.
3. In computing the attendance for fulfillment of the condition regarding prosecution of a regular course of study
 - (i) Attendance at lectures delivered and practicals /clinicals /sessionals, if any, held during the academic session shall be counted.
 - (ii) Attendance at any lecture delivered and practicals /clinicals /sessionals held within twenty eight days proceeding the first day of the written examination shall not be counted.


Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous College
Durg (C.G.)




- (iii) Attendance kept by a regular candidate in higher class shall be counted towards percentage of attendance, for the examination of the lower class to which he may revert as a result of his failure to pass in the second/supplementary examination,
- (iv) Attendance at NCC/NSS camp during the session shall be taken as full attendance at lectures/practicals on each such day of camp and the days of journey to such camp.
- (v) Participation as a member of University/College team in any Inter- University or Inter-College competition shall be taken as full attendance on the days of such competition and the days of journey for participating in the rein.
4. The aggregate number of lectures delivered and practicals /clinicals /sessionals held in an academic session in a University Teaching Department, School of Studies or College for a Post-Graduate degree examination in the faculties of Arts, Social Science, Life Science, Home Science and Commerce and for LLB examination shall not be less than 180.

Provided that the aggregate number of lectures to be delivered in an academic session to students offering thesis for M.A. (Final) examination shall not be less than 135.

5. For special reasons such as prolonged illness deficiency in percentage of attendance not exceeding fifteen percent of the total number of lectures delivered and practicals /clinicals /sessional held in each subject may condoned by the Kulpati.

"Provided that the Principals of the Colleges/Heads of the University Teaching Departments or Schools of Studies shall review the attendance of the regular candidates of his institution at the end of each term and the position shall be informed to the parents of the candidate. In case the attendance of any candidate is so low due to which he is, likely to be detained from appearing in the examination the candidate may have option to appear at the examination as non-collegiate after payment of requisite fee. The candidate shall inform his option in writing the Principal or Head of UTD or School of studies latest by 31st December and the Principal of the College, Head of UTD or School of Studies shall inform the University the option of such candidates by 15th January. No option received after this date will be considered.

6. Except as otherwise provided a regular candidate for an examination shall on or before the last date notified by the Principal of the College or Head of the University Teaching Department/School of Studies:-
- (i) Submit an application for admission to the examination in the prescribed form through Principal of the College/Head of the University Teaching Department or School of Studies indicating the subject or subjects, in which he desires to present himself for the examination.


Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous College
Durg (C.G.)



- (ii) Pay along with the application, the fee prescribed for the examination concerned together with a fee of Rupees 30/- for the supply of marks obtained by him in each paper at the examination.
7. (i) Application submitted by the regular candidate together with the examination fee and marks fee shall be forwarded by the Principal of the college/Head of the University Teaching Department or School of Studies so as to reach the Registrar on or before the last date prescribed for the purpose by University.
- (ii) In case of each application the Principal of the College/Head of the University Teaching Department or School of Studies shall certify that the candidate:
- (a) possesses the minimum academic qualification for appearing at the examination to which he seeks admission ;
- (b) is of good conduct.
- (iii) The Principal of the College or Head of the University Teaching Department or School of Studies concerned shall send to the Registrar at least three weeks before the commencement of examination concern three separate.

list as detailed below :-

- List A:** Of those candidates who have attended at least 75 percent both of the lectures delivered and of the practical's held separately in each subject of the course of instructions for the examinations (in the case of faculties of Medicine and Ayurveda, the minimum attendance in theory shall be 75 percent and in practical's and ward clinics 85 percent separately and in the case of Faculty of Engineering the minimum shall be 85 percent, separately of lectures for each theory paper and for practical's/sessional,
- List B:** Of those candidates whose attendance is short by not more than 15 percent for condonation by the Kulpati the Principal or the Head of the University Teaching Department/School of Studies concerned are required to give specific reason for condonation of shortage along with their recommendation,
- List C:** Of those candidates whose shortage of attendance exceeds 15 percent and who are to be debarred from appearing at the examination.



Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous College
Durg (C.G.)



8. The Principal of College or the Head of the University Teaching Department or School of Studies may detain a regular candidate from taking an examination, if he does not pay outstanding College dues or does not return the college property and all articles and uniform issues to him for sport or N.C.C. or does not pay the cost thereof in case of loss, by the 15th of February preceding the examination or if the conduct of the student has been unsatisfactory between the time of submission his application form to the Registrar for admission to the examination and the date of the commencement of examination.

PART-III Admission of an Ex-Student Candidate to an Examination of the University:

9. (1) No ex-student candidate shall be admitted to examination of the University unless he submits his application for appearing in the Examination;
- (i) The statement of marks in original obtained by him at the said examination issued by the University together with attested copy thereof, or
- (ii) In case he was duly admitted to the said examination as a regular candidate but appear thereat, a certificate from the Principal of the College last attended by him showing the Year, the Roll Number & the Examination to which he was admitted as a regular candidate.
- (2) No person shall be admitted as an ex-student candidate:-
- (i) at any examination in the Faculty of Medicine or Ayurveda.
- (ii) at any examination in the Faculty of Engineering if he has failed to secure the minimum marks required for passing in the sessional.
10. **An/ex: -**Student candidate for an examination shall:
- (i) Submit through the forwarding officer the Principal of the College where - in he had prosecuted a regular course of study, an application for admission to the examination in the prescribed form on or before the last date notified by the University and specify therein :-
- (a) Whether he is a candidate for the full examination or supplementary examination.
- (b) The subject or subjects in which he desires to present himself for the examination.
- (ii) Submit with his application evidence of having been admitted to the examination earlier as required in paragraph 9 (1) above.
- (iii) Attach with his application for admission to the examination if he is male and female candidate, her latest passport size photograph duly attested by the forwarding officer.


Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College
Durg (C.G.)



- (iv) Pay the fee prescribed for the examination together with the additional fee of Rs.30/- for the statement of marks obtained in each paper at the examination. Fees shall be paid through crossed bank draft drawn in favors of the Registrar of the University or in any other manner prescribed by the University.
11. (i) An ex-student candidate shall offer the subject or optional papers which he had previously offered as a regular candidate unless on account or a change in the scheme of examination the subject/paper offered by him earlier ceases to be a part of the scheme of examination or syllabus for the examination and he is permitted by the University to offer instead a different subject or paper.
- (ii) An ex-student candidate will be required to appear in the examination in accordance with the syllabus specifying the scope of studies in different subject.
12. Every ex-student candidate shall appear at the examination Centre at which the regular candidates from the college in which he had prosecuted a regular course of study shall be appearing.

Provided that the Registrar may for sufficient reasons, require or allow a candidate to change his examination Centre.

PART-IV Admission of the Non-Collegiate Candidate to an Examination of the University:

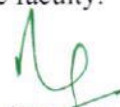
13. (1) It shall be a pre-requisite condition for every non-collegiate for any examination of the University that he should be a bonafide resident of a district within the territorial jurisdiction of the University or should have been residing on the date of submission of application form for admission to an examination for at least twelve months in a place situated within the territorial jurisdiction of the University.

Provided that in case of a Chhattisgarh or Central Government employee on transfer of his dependent the above mentioned period may be relaxed by the Kulpati.

Provided also that in case of non-collegiate candidate who has taken a correspondence course for the examination concerned in the University such residence qualification shall not be necessary.

- (2) Subject to fulfillment of the requirements of the Ordinance relating to the examination concerned, non-collegiate candidates shall be eligible to appear in B.A./B.Sc./B.Com./M.A./M.Sc.(mathematics/M.Com. examination and in other examination leading to a degree in the faculties of Arts, Social Science and Commerce.

Provided that the State Government may, by notification issues under clause (10) of Section 6 of the Athenian permit women candidates to appear as non-collegiate candidates in examination leading to a Bachelor's degree in the faculty.


Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous College
Durg (C.G.)



- (3) No non-collegiate candidate shall be admitted to an examination of the University unless such candidate if he has offered a subject for such examination for which a course of practical's work is prescribed, has completed such work in a University Teaching Department or a School of Studies or a College and submits to the Registrar before the last date notified by the University a certificate of such completion from the Head of the Teaching Department or School of Studies or the Principal of the College. All such candidates shall contact the Heads of Teaching Department or Schools of Studies or the Principals of Colleges immediately after the declaration of results of supplementary examination and shall get themselves registered in the Colleges/UTD or Schools of studies concerned for completion of their practical's.
14. (1) Every non-collegiate candidate seeking permission for admission to a examination shall apply to the Registrar on or before the last date notified by the University in the prescribed form through the forwarding officer i.e. the Principal of the College which the candidate chooses as his examination Centre or officer-in-charge correspondence course, as the case may be. The candidate shall submit with his application the following:-
- (i) The original statement of marks obtained at the qualifying examination together with an attested copy thereof at the examination in which he is to appear if he had failed at the examination fall earlier.
- (ii) Certificate in original from the Collector or Deputy Collector of a district included within the territorial jurisdiction of the University showing that he is bonafied resident of the district or has been residing in the district for period of not less than twelve months on the date of application for admission to the examination or a certificate of such residence in original from the Principal of a college affiliated to the University duly supported by an affidavit sworn by the candidate's father, mother, guardian or husband as the case may be provided that where a candidate requests for relaxation of the requirement relating to the period of residence on the ground that he is a Chhattisgarh or Central Govt. employee or the dependent of such employee on transfer to a place within the jurisdiction of the University, he shall submit the necessary certificate in support of such transfer from the Head of the office where the Government Servant is employed.

Provided also that such residence certificate shall not be necessary in case of non-collegiate candidate who has taken a correspondence course of the University.


Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous College
Durg (C.G.)




Provided further that:-

- (a) Those candidates who were regular students of colleges affiliated to the University or of the University Teaching Departments and who desire to appear as non-collegiate candidate at the subsequent higher examination, shall be exempted from producing a certificate of residence of the district included within the territorial jurisdiction of the University.
- (b) Those candidates who had produced a certificate of residence and who appear at an examination shall not be required again to produce a certificate of residence for admission to the subsequent higher examination.

Provided, further, that where the gap between the previous examination and the examination of the next higher class or course is more than the minimum required the candidate shown in clause (a) and (b) above, shall be required to submit the residence certificate.

- (c) Persons (i) who are serving in Navy, Army, Air Force and posted within the territorial jurisdiction of the University and (ii) Central State Government employees posted within the territorial jurisdiction of the University will be required to produce a certificate from the Local Heads of Departments stating that the employee has been working as Central State Government employee in the district included within the territorial jurisdiction of the University. In case of the wards of such employees a certificate should be from the Head of the Department stating that the candidate is wholly dependent on the employee and is residing with him. Explanation-An Examinee shall be deemed to be a bonafied resident of a district if:-
 - (1) (i) his/her father or mother after the death of the father or guardian (in case of the death of both the father and the mother) or in case of a married woman her husband is continuously residing in that district for not less than three years preceding the year in which application for admission to the examination is submitted.
 - (ii) he or his father or mother is resident of that district possessing immovable property therein but serving also where under the Central Government or the Chhattisgarh Government.


Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous College
Durg (C.G.)



- (iii) his latest passport size photograph, if he is a male candidate duly attested by the forwarding officer or if she is a woman candidate her signature duly attested by the forwarding officer.
 - (iv) the migration certificate, in original, issued by the University from which he is migrating.
 - (v) an application for registration if he is not already registered for the examination concerned.
 - (vi) in case the candidate has taken a correspondence course, a certificate from the officer in charge that he has satisfactorily completed the course.
- (2) In the application for admission to the examination the candidate shall specify:-
- (i) Whether he is a candidate for the full examination or for supplementary examination.
 - (ii) The subject or subjects in which he desires to present himself for the examination.

Provided that no non-collegiate candidate shall be allowed to offer a subject of paper prescribed in the course of study unless the same is offered by a regular candidate.


- (3) A non-collegiate candidate shall pay with his application for admission to an examination the fee prescribed for the examination together with the following other fees:-

(i)	Registration fee	Rs. 10.00
(ii)	Permission fee	Rs. 50.00
(iii)	Statement of Marks fee	Rs. 05.00
(iv)	Forwarding fee	Rs.07.50

Provided that a candidate who has been registered for an examination shall not be required to pay registration fee again for the same examination.

Provided further that registration fee shall not be payable by a non-collegiate candidate, who has been declared eligible for a supplementary examination and papers at the examination as supplementary examination candidate.

- N.B. (a)** Permission fee shall lapse to the University if the candidate fails or does not appear at the examination for which such permission was granted by the University.


Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College
Durg (C.G.)



- (b) All fees shall be paid through crossed bank draft drawn in favour of the Registrar of the University or in any other manner prescribed by the University.
- (4) A non-collegiate candidate migrating from another University or Board of Secondary Education shall send with his application for admission to an examination the migration certificate from the University or Board from which he is migrating and pay immigration fee of Rs. 20/-

Provided that immigration fee shall not be payable by candidate migrating from a University in Chhattisgarh or the Board of Secondary Education in Chhattisgarh.


PART-V General Conditions applicable to all candidates:

15. Where there are two or three examinations for any degree such as part I,II and III or previous and final examination and there are two or more alternative subjects/courses for such a degree a candidate for the degree must take the same subject/course in part III/Final examination as he has taken in the part II /Previous examination.
16. No candidate shall appear in more than one-degree examination or in more than one subject for the Master's degree (Previous or Final) in one and the same year.
- Provided that a student, while undergoing course of instructions in law, will not be permitted to offer any other Diploma (excluding Language Diploma) to Degree course simultaneously.
- Provided however, that in pursuance of Bar Council of India's letter No. ST/BC/2/1997/LE dated 15-11-1977 students who had undertaken or were otherwise eligible for double courses prior to 01-01-1978 will be permitted to undertake double courses of studies till they clear the examinations of the said double courses.
17. A candidate who has passed the Bachelor's degree part I or Part II examination or the previous examination for a Master's degree of another University may with the permission of the Kulapati be admitted to next higher examination of the University for the degree concerned provided the course offered by the candidate at such other University is equivalent to the course of University for the corresponding examination.
18. No person who has been expelled or rusticated from any College or University or has been debarred from appearing at a University examination shall not be admitted to any examination during the period for which the sentence is in operation.
19. An application for admission to an examination received by the Registrar after the last date notified by the University but not later than fifteen days after such last date may be entertained on payment of a late fee of Rs. 25/-


Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College
Durg (C.G.)




20. Notwithstanding anything contained in the ordinances relating to admission of candidate to an examination of the University, the Kulpati may, in special cases in which he is satisfied that the delay in submitting the application for admission to an examination is not due to lack of diligence on the part of the candidate and that it would be a great hardship to the candidate if his application is rejected, allow an application which is otherwise complete in all respects to be entertained with the late fee of Rs. 8/- even though the same is received after the expiry of the period of fifteen days mentioned in the foregoing paragraph.
21. (1) The Registrar shall issue an admission card in favour of candidate if;
- (a) The application of the candidate is complete in all particulars in accordance with the provision applicable to him and in order.
- (b) the candidate is eligible for admission to examination, and the fees as prescribed have been paid by the candidate.
- (2) Where the practical's examination is held earlier than the examination in theory papers a candidate shall not be deemed to have been admitted to the examination until he is issued an admission card for appearing in the examination;
- (3) The admission card issued in favour of a candidate and also the permission given through mistake; or the candidate was not eligible to appear in the examination.
- (a) The admission card was issued or permission was given through mistake or the candidate was not eligible to appear in the examination.
- (b) any of the particular given or document submitted by the candidate in or the application for enrolment, admission to a college, Teaching Department or School of Studies of admission an examination is false or incorrect.
- (4) The Registrar may, if he is satisfied that an admission card has been lost or destroyed, grant a duplicate admission card on payment of a further fee of Rs. 1/- such card shall show in a prominent place the word Duplicate.
22. Save as otherwise provided in the concerning examination ordinance a candidate who has appeared in all subject of the undergraduate examination shall not be eligible to apply for Revaluation in more than two papers of two subjects unless he/she has secured at least 33% marks in remaining two subjects.
23. (a) In the Examination hall the candidate shall be under the disciplinary control of the Superintendent of the Centre and he obey his instructions. In the event of a candidate disobeying the instructions of the Superintendent or his undisciplined conduct or ignorant behavior towards the Superintendent or any invigilator, the


Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College
Durg (C.G.)



candidate may be excluded from that day's examination and if he persists in misbehavior he may be excluded from the rest of the examination by the Superintendent of the Centre.

- (b) If a candidate acts in a violent manner or uses force or makes a display of force towards the Superintendent or any invigilator at the Centre or in its precincts endangering the personal safety of either of them or acts in a manner likely to the authorities in the discharge of their duties, the Superintendent may expel the candidate from the Centre and may take police help.
- (c) If a candidate brings any dangerous weapons within the precincts of the examination center, he may be expelled from the Centre and/or handed over to the police by the Superintendent.
- (d) A candidate expelled on any of the grounds mentioned in (b) or (c) above, will not be allowed to appear in the subsequent papers.
- (e) In every case where action is taken by the Superintendent under (a), (b) or (c) above, a full report shall be sent to the University and the Executive Council may according to the gravity of the offence; further punish a candidate by cancelling his examination and or debaring him from appearing at the examinations of the University for one or more years after giving the candidate an opportunity to show cause and considering explanation submitted by the candidate.
- (f) (i) If a candidate is found guilty of using or attempting to use or having used unfair means at an examination such as copying from some books or notes or from the answer of some other candidate or helping or receiving help from any other candidate or keeping with him in the examination hall material connected with the examination or in any other manner whatsoever, the Executive Council or the Committee appointed for the purpose by the Executive Council may cancel his examination and also debar him from appearing at the examination of University for one or more years according to the nature of offence.
- (ii) The Executive Council may cancel the examination of a candidate and debar him from appearing at an examination of the Vishwavidyalaya for one or more years if it is discovered afterwards that the candidate was in any manner guilty or misconduct in connection with his examination and or was instrumental in or has abetted the tampering of Viswavidyalaya records including the answer books mark sheets, result charts, diplomas and the like.
- (iii) The Executive Council may cancel the examination of a candidate and debar him from appearing at an examination of the Viswavidyalaya for one or more years, if it is discovered afterwards that the candidate has obtained admission to the examination by misrepresenting facts or by submitting false or forged certificate/documents.


Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College
Durg (C.G.)



- (iv) When the University intends to award any of the aforesaid penalties under clause (i), (ii) or (iii) above it shall give the candidate concerned an opportunity to show cause in writing within fifteen days of the issue of such 'Show-Cause' letter as to why the proposed penalty may not be imposed on him and shall consider the examination if any filed within the specified time, before awarding the penalty.

List of candidate so disqualified shall be circulated to all Universities in India requesting them not to admit these students during the period of their rustication,


24. (1) A candidate who due to sickness or other cause, is unable to present himself/herself at an examination, shall not receive a refund of his fee. Provided that the Kulapati may, in a case in which he is satisfied about the genuineness, or merit of it, order for adjustment of the following portion of the fee towards the immediately next examination via: -

- (i) Examination fee after deduction of Rs. 10/-
(ii) Fee for statement of marks.

Other fees paid by the candidate shall lapse to the University. Application for such adjustment from a candidate accompanied by a Medical Certificate or illness if applicable must be sent so as to reach the Registrar not earlier than and not later than 30 days from the date of commencement of the examination at which the candidate was to appear.

Provided, however, that a candidate shall not be entitled to the adjustment of examination fee mentioned in forgoing paragraph if he/she changes the faculty of his subject in case of postgraduate examination.

- (2) The fees paid by a regular candidate who is debarred from appearing at an examination due to shortage in attendance at lectures/practical's, may be refunded through the Principal of the college concerned after deduction of a sum of Rs. 5/- (five).
- (3) Examination and other fees of a candidate whose application for appearing at an examination has been rejected for some reason, or who could not furnish his form within the prescribed date necessary fees having been paid in University account, may be refunded after deduction of a sum of Rs. 5/- (five).
- (4) The examination and marks fees of a candidate who dies before appearing at the examination may be refunded in full to his guardian or his successor.
- (5) The entire fees paid by a candidate whose application for appearing at an examination is cancelled on account of producing fraudulent documents or giving false particular shall stand forfeited.


Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College
Durg (C.G.)



25. (1) Any candidate, who has appeared at an examination conducted by the University, may apply to Registrar for the scrutiny of his marks in the written papers in any subject and rechecking of his result. Such application must be made so as to reach the Registrar within 30 days of publication of the result of the examination.

(2) Such application must be accompanied by fee as per schedule

given below: (a) In one subject-----Rs. 8/-

(b) In all subjects-----Rs. 20/-

Provided that for purpose of this paragraph each paper of post graduate examination in a subject and also LLB. B.E., B. Arch, B.P.Ed., examinations, shall be reckoned as a subject.

(3) A candidate shall not be entitled to a refund of the fee unless his result is affected by the scrutiny.

(4) The result of the scrutiny shall be communicated to the candidate.

(5) If as a result of scrutiny it is found that the examinee should be declared as having passed or placed in a higher division the result of the candidate shall be revised accordingly and fee deposited by the candidate for scrutiny of marks shall be refunded to him.

26. (1) A candidate, who has appeared in all the papers of all the subjects of an Annual/Semester examination and whose result has been declared and is not satisfied with the valuation may apply to the Registrar in the prescribed form within 15 days from the date of the declaration of result.

(2) Where a candidate applies for revaluation the answer book in which revaluation is sought will be sent for valuation by the Kulpati, two revalues (other than the original examiner) from a places outside the state of Chhattisgarh. Ten answer- books s valued by the initial examiner and a copy of the memorandum of instruction for the guidance of examiners if prepared by the paper setter will be sent to each of the two revalues to enable them to evaluate the answer-books and the memorandum of instructions, if less than ten candidates had appeared at the examination in the paper concerned, the answer-books of all the candidates shall be sent to each of the two revalues. Each revalue shall receive a remuneration of per revalued answer-books, as prescribed by the co-ordination committee from time to time.

Provided also that a candidate who has appeared either in part of an examination either annual or semester or supplementary examination in any of the subjects or papers as a backlog shall not be eligible to apply for revaluation, Provided also that no revaluation may be allowed in case of scripts of practical's , field-work, sessional work, internal assessment, internal tests, tutorials & project work and dissertation submitted in lieu of the paper at the examination.

Provided also that a candidate who has appeared in all the subjects at the undergraduate examination shall not be eligible to apply for revaluation in more than two papers of two subject unless has secured at least 33% marks in each of the remaining subjects separately.

Provided also that a candidate who has appeared either at a semester or annual examination system of a post graduate examination shall not be eligible to apply for revaluation, in more than two papers, unless he/she has secured at least 36% marks in each of the remaining papers separately.

Provided also that a candidate appearing at a Semester examination as ATKT/second exam candidate shall not be eligible to apply for revaluation for his backlog subjects/papers as the case may be.

Provided also that a candidate who has appeared in all the subject/papers at the UG or PG examination either at annual or semester examination and has been declared pass at the said examination may also apply for revaluation in not more than two papers.

- (3) If the marks awarded in the paper by any of the two revaluers is higher than from the marks given by the original examiner by more than 10 maximum marks in the paper, the average of the awarded by the two nearest examiners shall be taken to represent the correct valuation. This average of marks shall be awarded to the candidate for the vision of his result.
- (4) Provided also that if after revaluation of answer-books there is a change in the original marks by more than 20% marks of the paper concerned the answer script shall be referred to the third revaluer out side of Chhattisgarh state and the average of three nearest revaluer shall be taken to be the correct valuation of the answer-books .
- (5) Provided also that in the event of change, the variation in the original award by the original examiner and the revaluers is more than 30% of the total marks of the paper concerned the original examiner shall be debarred from any examination work given to him at least for two years argot adopting the proper picture for such an action to be taken by the Executive Council.

27. A candidate who has passed any final degree examination may after the declaration, of his result and before the date of the next convocation apply to the

Registrar for a Provisional Certificate of passing the examination of the University. Such application shall be accompanied by a fee Rs. 10/-



Principal

Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College
Durg (C.G.)



28. No person who is under sentence of expulsion or rustication from a University Teaching Department, Schools of Studies or College or from the University or is debarred from appearing at examination to the University for any period of time shall be granted a Migration Certificate during the period for which the sentence is in operation.

29. Duplicate copies of the following certificate shall be granted on payment of the fee mentioned against each via: -

(i)	Mark list	Rs. 10.00
(ii)	Migration Certificate	Rs. 15.00
(iii)	Provisional Certificate	Rs. 15.00

Provided further that duplicate copy of Migration Certificate shall not be granted except in cases in which the Registrar is satisfied by the production of an affidavit on a stamped paper of proper value required by law for the time being in force that the applicant has not utilized the Original Migration Certificate for appearing at an examination and has lost the same or that the same has been destroyed and that the applicant has real need for a duplicate.

30. Duplicate of University Diplomas shall not be granted except in cases in which the Kulpati is satisfied by the production of an affidavit on a stamped paper of proper value required by law for the time being in force that the applicant has lost his diploma or that it has been destroyed and the applicant has real need for a duplicate, in such cases a duplicate of the diploma may be granted on receipt of a fee of Rs. 25/-

31. The names of first ten successful candidates in each examination other than second full examination who obtain first division shall be declared in order of Merit for each class/subject as the case may be.

32. Notwithstanding anything contained in the concerned ordinance an examinee who fails by a total of not more than three marks in not more than two subjects in any of the B.A., B.Sc., (Home Science), B.Com./B.Ed./B.P.Ed./LL.B. examination except where it is held on a semester basis but secures, more than the minimum aggregate marks required shall be given three grace marks to enable him to pass the examination.

Provided that benefit under this para shall not be available to candidates whose marks in any paper (s) Practical's (s) are carried overs from the previous examination (s) (in case of B.A., B.Sc., B.HSc. and B.Com Examination)


Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College
Durg (C.G.)



33. The Kulpati may award one grace mark in case the candidate is failing by one mark or missing a division by one mark. Where the deficiency is so condoned one mark shall not here be added.

Provided that the benefit under this paragraph shall not be allowed to enable a candidate to get the benefit under paragraph 32.

34. The scope of studies in different subjects for an examination shall be as prescribed by the University from time to time and printed in the prospectus for examination concerned.

35. (1) There shall be supplementary examination as far as possible in August/September every year for candidate having failed only in one subject in the B.A., B.Sc., B.H.Sc., B. Com. LL.B. March/April Annual Examination, Every candidate desirous of appearing at the supplementary examination shall submit an application as indicated in this Ordinance with the requisite fees. The results of candidates appearing in the supplementary examination shall be declared in accordance with the provisions of the Ordinance.

- (2) Such candidate as are eligible to appear in the second examination may be provisionally admitted the next higher class in University Teaching Department, School of Studies or College and their attendance in the higher class shall be counted in case they are declared successful at the second examination. If the candidate fails at the examination, the admission to the higher class shall be cancelled and the candidate shall revert to the lower class.

36. (1) The following shall be eligible to appear at supplementary examination:-


- (a) Candidates who have failed at any B.A., B.Sc., B.H.Sc., or B.Com. Examination in not more than one subject or group as case may be.

Provided that the above provisions shall be applicable from the examination. of 1986

- (b) Candidate for examinations other than those enumerated in (a) above who are declared eligible to appear at a supplementary examination in accordance with the Provision of the respective examination ordinance.

- (2) In the case of a subject for supplementary examination in which there is also a practical's test, a candidate shall be required to appear in the written paper only if he has passed at the main examination in practical's and in practical's only if he has passed in the written papers and practical's shall be examined in both the parts of the subject.

- (3) Except when provided otherwise in the ordinance concerned, a candidate who has been declared eligible for a supplementary examination may appear as a


Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College
Durg (C.G.)



supplementary Examination Candidate in the two examinations immediately following the examination in which he was declared to be so eligible and thereafter he shall be required to appear in all the papers at the next examination.

- (4) A candidate appearing in the Supplementary examination shall be declared to have passed the examination if he secures the minimum pass marks in the subject or group as the case may be except when provided otherwise in the examination ordinance concerned. Such a candidate shall be deemed to have obtained only the minimum passing marks in the subject or group as the case may be and such minimum passing marks shall be taken in to account in determining the division at the examination.


Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College
Durg (C.G.)



REVISED ORDINANCE No. – 67

**POST GRADUATE DIPLOMA IN COMPUTER
APPLICATION**

1. The minimum qualification for application for the admission to PGDCA course as under –
“A candidates possessing Bachelor’s Degree of this University or an examination recognized equivalent thereto shall be eligible for admission”.
2. The student of this course will be treated as regular student and shall not be entitled to all the privileges and facilities accorded to the regular students of other courses.
3. This Diploma shall be Full time course of study. The duration of this course will be extended to ONE YEAR and this shall be sub-divided into two semesters.
4. The admission to PGDCA course of study shall be made on merit, to be decided on the basis of written test organized by this University.
5. The candidates admitted to the PGDCA course shall have to pay the course fees in addition to other fees as prescribed by this University. All the fees etc. can be changed by this University from time to time.
6. The total intake capacity to PGDCA course for the University S.o.S. in Computer Science and for affiliated Colleges shall be decided by the University, from time to time
7. The students admitted to PGDCA course shall not be permitted to appear at any other Examination of the University
8. There shall be University Examinations conducted by the University at the end of each semester on the basis of course contains and scheme of Examination as may be prescribed by the University from time to time.


Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous College
Durg (C.G.)



9. At the end of each semester there will be examination in 3 theory papers and two Practical papers. The theory paper shall be of 3 hrs duration and practical paper of 4 hrs. Project will be based on Viva Voce and the performance of the project work.
10. There shall be 100 marks for each course and depending on the marks obtained by candidate, each candidates shall be placed in the following grade as shown below to show his/her performance :

Marks between	Grade to be Given	Performance	Points
80 to 100	A	EXCELLENT	4
60 to 79	B	VERY GOOD	3
40 to 59	C	GOOD	2
20 to 39	D	FAIR	1
0 to 19	F	FAIL	0

On successful completion of the course, the candidate shall be awarded final grade on the basis of grade point average.


Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College
Durg (C.G.)




ORDINANCE NO. 107

(Under Section)

BACHELOR OF COMPUTER APPLICATIONS (BCA)

1. The Degree shall be known as **Bachelor of Computer Applications**.
2. The duration of this course is extended over three academic sessions. This three years full time course has been broken in to three Parts :
 - Part I - known as BCA Part-I
Examination at the end of first year
 - Part II - known as BCA Part-II
Examination at the end of second year, and
 - Part III - known as BCA Part-III
Examination at the end of the third year.
3. The minimum qualification for admission to the BCA course shall be Higher Secondary Education (10+2) & Mathematics as one of the Compulsory Subject of M.P. or C.G. Board of Secondary Education, Raipur or any other examination recognized equivalent thereto by the University for the purpose. If the candidate does not have mathematics at 10+2 level then he may be provisionally allowed to take admission subject to clearing "Maths Bridge Course" along with the normal papers of BCA Part-I. Board of studies will be authorized to draft syllabus for Maths Bridge Course and to take any decision in this regard.
4. The admission to BCA course of study in university School of Study in Computer Science & Affiliated Colleges shall be made on merit to be decided by the University, and any decision taken by the University in this regard will be final.
5. English shall be the medium of entrance test, instruction and examination for the course of study.
6. The admission so granted shall be governed by the university rules applicable to all the students in the University and the decision of the Kulpati in all cases shall be final.
7. The total intake capacity for the affiliated colleges shall be generally 30 students and for the School of Studies in Computer Science, it will be as per the recommendation of Board of Studies [Computer Science].
8. The student admitted to BCA course shall not be permitted to appear at any other examination.
9. The BCA course shall consist of :
 - a. Such courses/papers;
 - b. Such practical training and project work.
10. A student shall be eligible to appear in the examination if he/she has attended at least 75 percent of the classes.

RI/ORDINANCE/11/RAVI

 & 1 &
Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College
Durg (C.G.)



11. Candidate in order to be declared pass at any part of BCA examination shall be required to obtain at least 40 percent marks in each paper. But the aggregate marks obtained (in each year) of BCA course, shall have to be 45%, students having less than 45% in aggregate. BCA will be declared as unsuccessful, then will be allowed to appear in supplementary exams in any two papers of his/her choice. If the candidate fails to get the 45% in aggregate he/she be declared as **FAILED**.
12. In Practical papers :- An examiner will examine each examinee individually through records and viva examination and by giving one or two exercises individually, duration of examination will be 3 hours for each theory and practical papers.
13. In such papers whose practical examination is conducted, a certificate is to be produced from the Head/Principal of the concerned UTD/affiliated college to University. This certificate should be produce before the date fixed by the university. In absence of this certificate examinees will not be eligible for appearing in examination.
14. A candidate declared pass at the BCA Part-I examination shall be eligible to be promoted to the BCA Part-II and shall be eligible for appearing in the BCA Part-II examination.
15. A candidate declared pass at the BCA Part-II examination shall be eligible to be promoted to the BCA Part-III and shall be eligible for appearing at the Part-III examination.
16. A candidate who secures 60 percent or more marks in total aggregate of Part-I, Part-II and Part-III examinations shall be awarded First Division. A candidate who secures less than 60 percentage. 45 percent of marks or more in the total aggregate of marks shall be awarded Second Division.
17. There shall be no Third Division in the BCA course of study.
18. A candidate who fails to obtain 40 percent of Marks in any one or two papers in any Part of the Examination shall be eligible to appear in the Supplementary Examination of respective paper conducted by the University.
19. For determining the division of such candidates who has passed the examination through the supplementary examination, actual marks obtained in the papers at the supplementary examination shall be included.
20. For the Candidate failing in the Supplementary Examination of BCA course, the provisions applicable for B.Sc. Examination of this University will hold true.
21. A Candidate not permitted to take up the BCA Part-I examination due to shortage of attendance, shall be required to apply for admission afresh in the next Academic session.
22. The Provision for revaluation in BCA course shall be same provided in B.Sc. Course of this University.
23. For the rules not defined here, the rules for B.Sc. degree examination at RSU shall apply here & in case of any conflict Board of studies shall be empowered to take the decision accordingly.

== =

& 2 &


Principal

Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous College
Durg (C.G.)

Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.)

ORDINANCE No. 170


Ordinance for Semester System in School of Studies

1. The Master of Arts/Science courses shall be spread over four semesters. In each semester, there shall be theory courses and where required practical courses (Laboratory work, semester field work, project work etc.). Written and Practical Examinations shall be completed by the end of the each Semester. There shall be numerical marking in evaluation.
2. (1) A Candidate who has obtained a Bachelor's degree of this University or of a statutory University recognized by this University as equivalent to the Bachelor's Degree shall be eligible to seek admission in M.A. courses in the School of Studies of the University.
(2) A Candidate who has obtained Bachelor of Science (B.Sc.) Degree of this University or of statutory University recognized by this University as equivalent to the Bachelor's Degree shall be eligible to seek admission in M.Sc. Courses in the School of Studies in this University.

Provided that a candidate shall be eligible for admission only in those subjects which he/she has offered in B.Sc. Degree.

Further provided that

- (i) For admission in M.Sc. Anthropology and Rural Technology there shall be no barrier of subject at B.Sc. level,-
- (ii) For admission in M.Sc. Physics, a candidate must have offered mathematics at B.Sc. level,


Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College
Durg (C.G.)



- (iii) For admission in M.Sc. Electronics a candidate must have offered Mathematics and Physics at B.Sc. level.
- (iv) For admission in subjects Bioscience, Biochemistry, Biotechnology and Herbal Sciences Technology, a candidate must have offered subjects of Biological Science at B.Sc. level. If any difficulty arises in this connection, the matter shall be referred to a committee consisting of Dean of the faculty and Chairman Board of Studies and Head, S.O.S. of Subject concerned.
- (v) For admission in M.A./M.Sc. Statistics, a candidate must have offered statistics or mathematics at B.A./B.Sc. level.
3. Every candidate thus admitted shall pursue regularly the prescribed courses in each of the four semesters successively. The Masters Degree shall be awarded to those candidates who have obtained at last 36% marks in cumulative aggregate in each of four semesters in theory and practical courses separately and a minimum of 20% qualifying marks in each theory course. The successful candidates shall be placed in divisions on the following basis :
- An aggregate of 60% or above - I Division
An aggregate of 48% or above - II Division
An aggregate of 36% or above - III Division
4. Candidates failing to appear or securing less than 36% aggregate or obtaining less than 20% marks in any of the theory course of semester examinations shall be allowed to pursue the courses for the next following semester and to appear at the examination simultaneously in the course for that semester and any course of the previous semester, which he/she has not cleared. Failure in all the four papers, shall have to re-appear in the same papers. A.T.K.T. provision shall be in three papers of one semester & maximum three attempts only i.e. (1 main + 2 A.T.K.T.). Failure to secure 36% aggregate or to obtain qualifying marks of

2

Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College
Durg (C.G.)



20% in each course in two successive semester examinations, in addition to main examination, shall if so facto disqualify a candidate for admission to the next higher semester or for re-examination.

5. The examination and evaluation shall be on internal/external basis. The theory papers may be examined externally up to 50% maximum. Practical examination shall be conducted jointly by internal and external examiners.
6. The examination for the first and third semester shall ordinarily be completed by the end of December and the examinations for the Second and Fourth semesters shall ordinarily be completed by the end of May each year.
7. The examination shall be held in the following subjects being offered by different school of studies of Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur :-
 - (i) Hindi
 - (ii) English
 - (iii) Linguistics
 - (iv) History
 - (v) Sociology
 - (vi) Economics
 - (vii) Geography
 - (viii) Psychology
 - (ix) Philosophy
 - (x) AIHC & Arch.
 - (xi) Mathematics
 - (xii) Physics
 - (xiii) Chemistry
 - (xiv) Zoology
 - (xv) Botany
 - (xvi) Geology
 - (xvii) Bioscience
 - (xviii) Statistics
 - (xix) Anthropology
 - (xx) Electronics
 - (xxi) Biochemistry
 - (xxii) Microbiology
 - (xxiii) Biotechnology
 - (xxiv) Forestry & Wildlife
 - (xxv) Herbal Science & Technology
 - (xxvi) Rural Technology
 - (xxvii) Environmental Science
 - (xxviii) Anthropology and Tribal Studies



8. The examination shall be held in all the subjects being offered by different school of studies of Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur.
9. There shall be no provision for division improvement under the examinations of this ordinance.
10. This Ordinance shall be effective from the academic session 2006-07. However existing systems under Ordinance No. 13 M.A. and No.. 22 M. Sc. shall be continued for the subject of M.A./M.Sc.(Final) examination for session 2006-07.
11. The matters not covered in Acts Ordinance shall be governed by the Ordinance No. 5 and 6 and other provisions of the University rules.
12. Earlier Ordinance No. 79 related with Master degree examination in Arts/ Science for the University departments is herewith repealed

USE OF CALCULATORS :

The students of M.A./M.Sc. classes will be permitted to use calculators in the Examination hall on the following conditions :

- (a) Student will bring their personal Calculators.
- (b) Calculators with memory and following variables be permitted; Plus, minus, multiplication, division, square, reciprocal, exponential, log, square-root, trigonometric functions, viz, sine, cosine, tangent etc. However, under any circumstances programmable calculators shall not be permitted.


Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College
Durg (C.G.)



HEMCHAND YADAV VISHWAVIDYALAYA, DURG (C.G.)

Website - www.durguniversity.ac.in, Email - durguniversity@gmail.com



ORDINANCE - 45

**DOCTOR
of
PHILOSOPHY**

ORDINANCE No. 45
DOCTOR OF PHILOSOPHY

(As per UGC Regulation 2016)

(Approved by the Co-ordination Committee dated 19-04-2017)

(Governor office letter no. F 7-1/2014 /सस/यू - Dated : 04-10-2017 and Commissioner, Higher Education

Letter no.989 /05 /आरशि /समन्वय /2017 Date 03-11-2017)

Preamble

1. The degree of Doctor of Philosophy (Ph.D.) may be granted in any discipline, belonging to any faculty of the Pt. Ravishankar Shukla University (hereafter: University), in which post-graduate studies and/or research is available at the University or at its affiliated Colleges that are recognized as research centers by the University.
2. All academic matters related to Ph.D. degree shall be processed by a Departmental Research Committee (hereafter: DRC) consisting of the following:
 - i. Head of the School/ Department (Chair), for UTD or Principal (Chair), for affiliated colleges of the University
 - ii. All teachers of the School/ Department/ Department of affiliated colleges of the University who are recognized by the University as Ph.D. supervisors.
 - iii. There should be at least three members, including the chairman of the DRC.
 - iv. The Kulapati shall nominate members from other/related departments in case the number of recognized Ph.D. guides is less than two in any School/ Department/ approved research centers of the affiliated colleges of the University.

3. Eligibility for Registration for the Degree of Doctor of Philosophy


A Candidates for admission to the PhD program shall have a Master's degree or a professional degree declared equivalent to the Master's degree by the corresponding statutory regulatory body, with at least 55% marks in aggregate or its equivalent grade 'B' in the UGC 7-point scale (or an equivalent grade in a point scale wherever grading system is followed) or an equivalent degree from a foreign educational Institution accredited by an Assessment and Accreditation Agency which is approved, recognized or authorized by an authority, established or incorporated under a law in its home country or any other statutory authority in that country for the purpose of assessing, accrediting or assuring quality and standards of educational institutions.

Provided that a relaxation of 5% of marks, from 55% to 50%, or an equivalent relaxation of grade, may be allowed for those belonging to SC/ST/OBC (non-creamy layer)/Differently-abled and other categories of candidates as per the decision of the Commission from time to time, or for those who had obtained their Master's degree prior to 19th September, 1991. The eligibility marks of 55% (or an equivalent grade in a point scale wherever grading system is followed) and the relaxation of 5% to the categories mentioned above are permissible based only on the qualifying marks without including the grace mark procedures.

OR

Candidates who have cleared the M.Phil. Course work with at least 55% marks in aggregate or its equivalent grade 'B' in the UGC 7-point scale (or an equivalent grade in a point scale wherever grading system is followed) and successfully completing the M.Phil. Degree shall be eligible to proceed to do research work leading to the Ph. D. Degree in the same Institution. A relaxation of 5% of marks, from 55% to 50%, or an equivalent relaxation of grade, may be allowed for those belonging to SC/ST/OBC (non-creamy layer)/differently-

1


Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College
Durg (C.G.)



abled and other categories of candidates as per the decision of the Commission from time to time.

OR

A person, whose M.Phil. dissertation has been evaluated and the viva voce is pending may be admitted to the Ph.D. program of the same Institution.

OR

Candidates possessing a Degree considered equivalent to M.Phil. Degree of an Indian Institution, from a Foreign Educational Institution accredited by an Assessment and Accreditation Agency which is approved, recognized or authorized by an authority, established or incorporated under a law in its home country or any other statutory authority in that country for the purpose of assessing, accrediting or assuring quality and standards of educational institutions, shall be eligible for admission to Ph.D. program.

B Provided that the candidate will be admitted to the Ph.D. program through an entrance test to be conducted once in a year, preferably in October by the University. The modalities of the test shall be decided by the University.

Candidates provisionally admitted to the program through an entrance test will be awarded with the University Fellowships depending upon their availability.


- C** Following candidates shall be exempted from appearing at the entrance test:
- i. Candidates, who qualify UGC-CSIR (JRF) examination, including NET lecturership/ SLET/ GATE/ GPAT or any other JRF examination conducted by national agencies, such as ICMR, ICSSR, etc.
 - ii. (a) Candidate possessing M.Phil. degree from Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, provided that his/her admission to the M.Phil. degree has been through entrance examination.
(b) Candidate possessing M.Phil. degree from other recognized university has to appear at the entrance examination, but shall be exempted from course work if 'Research Methodology' has been a component of his/her M.Phil. degree.
 - iii. Teacher Fellowship holder and University/ College teachers holding a regular position (regular appointment) and having completed two years of service as teacher in a department or affiliated colleges of the University.
 - iv. Scientists of any recognized national (for example, DST-, CSIR-funded etc.) and international institutions (for example, WHO-funded etc.) having acquired two years experience.

4. Procedure for Admission/Registration

An eligible candidate (refer Clause 3) must apply for registration for Ph.D. degree of his/her subject on the prescribed form obtainable on payment of prescribed fee. The application shall be considered by the DRC of the concerned Schools/ Departments/ Affiliated Colleges.

The DRC will allocate the supervisor, with the mutual consent of the candidate and the guide, for an eligible candidate depending on the number of student per faculty member, the available specialization among the faculty supervisors and the research interest of the student as indicated during interview by the student. The candidate shall be required to finalize his/her admission at the Centre within a week from the date of DRC meeting called for the purpose.

2


Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College
Durg (C.G.)



All eligible candidates except in 3 C ii shall be required to undertake course work for a minimum period of one semester. The course work must include Research Methodology which may consist of quantitative methods and computer applications. The course content shall be designed by the Board of Studies (BoS) of the concerned subject. The course work may also involve reviewing of published research in the relevant field.

On the recommendation of the Supervisor, the course work may be carried out by the candidates in sister schools/ departments/ institutes either within or outside the University.

The candidate shall be evaluated at the end of the semester. If the candidate is not able to pass the course with 55% marks, the candidate shall be allowed to reappear at the examinations within the next 12 months. The respective DRC will conduct the evaluation at the institutional/ departmental level.

While granting provisional admission to candidates to Ph.D. program the DRC will pay due attention to the National/ State reservation policy.

The candidates shall have to pay fees as decided by the university from time to time.

Provided that the teachers of the University and Teachers under the U.G.C. teacher fellowship scheme or any other scheme will not be required to pay the fees, except the registration fee and six-monthly progress report fee. The teachers of the other Universities shall be required to pay the Library and/or Laboratory Caution money.

5. Research Degree Committee (RDC):

The candidate shall be eligible to submit synopsis (as per **Appendix-1**) of his/her proposed research work, after successfully completing the course work, along with the title of the thesis (in six copies), making oral presentation of his/her proposal (synopsis) before the DRC in which the DRC may suggest alterations/ revisions in the synopsis, if required and such synopsis is duly forwarded by the chairman of the relevant DRC. He/ She shall be required to make an oral presentation of the proposed work before the Research Degree Committee consisting of the following members:

- i. Kulapati or his/her nominee
- ii. Dean of the Faculty
- iii. Head of the University Teaching Department/ School of Studies in the subject
- iv. Chairman, Board of Studies in the Subject
- v. One external subject expert of the rank of a University Professor/ Director of recognized Institutes to be appointed by the Kulapati, out of a panel of 5 experts given by the Chairman of the Board of Studies concerned. The term of the subject expert shall be coterminous with the tenure of the Board of Studies.

External expert and two other members shall form the quorum.

- Note:**
1. The Supervisor/ Co-supervisor are entitled to be present during the oral presentation of his/her candidate.
 2. No. TA and D.A. shall be payable to the candidate and the Supervisor/Co-supervisor for attending the Research Degree Committee meeting.

- 6.** The meeting of the Research Degree Committee shall be held in the University Office twice a year preferably in July and January. The committee shall confirm a list of approved Supervisor/Co-Supervisor along with their specializations, prepared by the DRC. This list shall be available with the Registrar/ Academic section of the University.

The committee shall formally recommend the registration of the candidate for the Ph. D. degree.

3


Principal

Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous (Professors)
Durg (C.G.)



On approval by the RDC the candidate shall be registered and enrolled as a student from the date of his/her admission in the research center. He/ She will also be required to pay regular tuition, library and laboratory fees (six-monthly) during his/her research tenure. The RDC has the right to suggest revision/alterations (if required) in the synopsis forwarded by the DRC.

Provided that if the RDC does not recommend a candidate for registration to Ph.D. degree, the caution money deposited by the candidate shall be refunded.

7. A candidate shall ordinarily be permitted to work for Ph.D. degree in the subject in which he/she has obtained his/her post-graduate degree.

Provided that research work leading to Ph.D. degree may be encouraged in allied subjects of interdisciplinary nature of the same faculty or of allied faculties. In such cases the candidate may also be permitted to work under one or two co-supervisors, along with the supervisor of the University.

8. A candidate shall pursue his/her research at the institution from where his/her application form has been forwarded under Clause 3 (b) of the Ordinance.

Provided that a candidate permitted to work in a research establishment* recognized by the University shall be required to take at least one co-supervisor along with the supervisor; one of them should be the teacher of the University and the other a Teacher/ Scientist/ Research Officer/ Director of the Institution where the candidate is actually working.

*Includes Institutions and Laboratories run and sponsored by the Union /State Governments or its agencies; and Foreign University/Institution of repute.

Provided also a candidate may be permitted to carry out his/her research/ practical work in a Research Institution/ Research Laboratory/ Laboratory of a University recognized by the University for the purpose under the supervision of a Scientist/ Director/ Teacher of the Institution who may or may not be the co-supervisor of the candidate.

9. **Supervisors/ Co-supervisors**

The person recommended as Supervisor/Co-supervisor to guide the Research Scholar must be:

Any regular Professor of the University/Institution Deemed to be a University/College with at least five research publications in refereed journals and any regular Associate/Assistant Professor of the university/institution deemed to be a university/college with a Ph.D. degree and at least two research publications in refereed journals may be recognized as Research Supervisor.

Provided that in areas/disciplines where there is no or only a limited number of refereed journals, the Institution may relax the above condition for recognition of a person as Research Supervisor with reasons recorded in writing.

Only a full time regular teacher of the concerned University/Institution Deemed to be a University/College can act as a supervisor. The external supervisors are not allowed. However, Co-Supervisor can be allowed in inter-disciplinary areas from other departments of the same institute or from other related institutions with the approval of the Research Advisory Committee.

The allocation of Research Supervisor for a selected research scholar shall be decided by the DRC concerned depending on the number of scholars per Research Supervisor, the available specialization among the Supervisors and research interests of the scholars as indicated by them at the time of interview/viva voce.

In case of topics which are of inter-disciplinary nature where the Department concerned feels that the expertise in the Department has to be supplemented from outside, the Department may appoint a Research Supervisor from the Department itself, who shall be known as the Research Supervisor, and a Co-Supervisor from

outside the Department/ Faculty/College/Institution on such terms and conditions as may be specified and agreed upon by the consenting Institutions/Colleges.

A Research Supervisor/Co-supervisor who is a Professor, at any given point of time, cannot guide more than three (3) M.Phil. and Eight (8) Ph.D. scholars. An Associate Professor as Research Supervisor can guide up to a maximum of two (2) M.Phil. and six (6) Ph.D. scholars and an Assistant Professor as Research Supervisor can guide up to a maximum of one (1) M.Phil. and four (4) Ph.D. scholars.

In case of relocation of an M.Phil/Ph.D. woman scholar due to marriage or otherwise, the research data shall be allowed to be transferred to the University to which the scholar intends to relocate provided all the other conditions in these regulations are followed in letter and spirit and the research work does not pertain to the project secured by the parent institution/supervisor from any funding agency. The scholar will however give due credit to the parent guide and the institution for the part of research already done.

10. Tenure of Ph.D. Work

- (a) Ph.D. program shall be for a minimum duration of three years, including course work and a maximum of six years.

The women candidates and Persons with Disability (more than 40% disability) may be allowed a relaxation of one year for M.Phil and two years for Ph.D. in the maximum duration. In addition, the women candidates may be provided Maternity Leave/Child Care Leave once in the entire duration of M.Phil/Ph.D. for up to 240 days.

The candidate shall pursue his/her research at the approved place of research under the Supervisor/Co-supervisors on the approved subject. In case a candidate does not submit his/her thesis within six calendar years, his/her registration shall stand automatically cancelled.

Provided also that Kulapati may permit a candidate to get re-registered on the same topic on payment of the prescribed re-registration fee. The minimum period and attendance shall not apply to such re-registered candidate.

- (b) The candidate possessing M.Phil. degree or a teacher with two years teaching experience at the time of registration can submit his/her thesis after 30 months instead of 36 months as provided in Clause 10 (a) of the Ordinance.

- (c) The candidate shall put in at least 300 days attendance, excluding attendance he/she will earn during the course work, in the research center and certified by the Supervisor and/or Co Supervisor.

11. Change of Supervisor

The candidate may be allowed to change the Supervisor by the Kulapati, on the recommendation of the DRC or committee constituted by the Kulapati for this purpose under special circumstances. No major change in the topic of research will be permitted due to change in supervisor.

12. Six-monthly Progress Report

The candidate shall submit every six months a record of attendance, receipt of fees paid and progress report of the work through his/her supervisor as per **Appendix-2**. If the progress of work is not found satisfactory in two successive reports or no reports are received for a period of one year and the candidate fails to deposit the prescribed fees, the Kulapati may order the removal of the name of the scholar from the list of those registered for the Ph.D. degree.

13. Submission of Summary of Thesis

- (a) Prior to submission of the thesis, the candidate shall make a pre-Ph.D. presentation before the DRC that may be open to all faculty members and research students, for getting feedback and comments, which may be suitably incorporated into the draft thesis under the advice of the supervisor.
- (b) The candidate shall submit six copies of the summary of the thesis together with at least one (1) research paper in refereed journal and make two paper presentations in conferences/seminars before the submission of the thesis for adjudication, and produce evidence for the same in the form of presentation certificates and/or reprints. through his/her Supervisor to the Registrar about two months prior to the anticipated date of submission of thesis.
- (c) The supervisor shall submit a panel of at least six names of examiners actively engaged in the concerned area of research not below the rank of Reader or College Professor in a sealed cover to the Registrar. Provided that the panel of examiners shall be obtained from the Chairman, Board of Studies of the Subject concerned, in case the candidate is related to the supervisor.
- (d) On the receipt of the panel of examiners from the supervisor and summary from the candidate, the Registrar shall call a meeting of Examination Committee of the subject constituted U/S 44 of the Adhiniyam. The Committee considering the panel submitted by the Supervisor/ Chairman, Board of Studies, will prepare a panel of six names to act as examiners.
- (e) THE TERM RELATIONS SHALL INCLUDE: Father, Mother, Wife, Husband, Daughter, Son, Grand Son, Grand Daughter, Brother, Sister, Nephew, Niece, Grand Nephew/Niece, Uncle, Aunt, Son-in-law, Sister-in-law, Father-in-law, First cousin-in-law etc.

14. The candidate shall submit three bound copies of his/her thesis along with the following:

- a) The candidate must append reprint of the published paper (Ref. 13.b) or acceptance letter and certificate of the publication of the papers in Symposium/Conference/Seminar.
- b) The thesis must be accompanied by a declaration from the candidate that the thesis embodies his/her own work and he/she has worked under the Supervisor at the approved place of work for the required period as per provisions of Clause 10 of Ordinance (**Appendix-3**).
- c) The certificate from the Supervisor together with Co-supervisors, if any, that the thesis fulfills the requirements of the Ordinance relating to the Ph.D. degree of the University (**Appendix-4**).
- d) The candidate shall also remit with the thesis the prescribed examination fee.
- e) Submission of Electronic copy of the Thesis/ Dissertation (ETD) is mandatory at the time of submission of the Ph.D. thesis (**Appendix-5**). The University shall submit a soft copy to the UGC within a period of 30 days after the award of the degree, for hosting the same in INFLIBNET, accessible to all Institutions /Universities.
- f) The candidate will submit a declaration that the thesis is free from plagiarism or produce a certificate from the institutional plagiarism cell to that effect (**Appendix-6**).

15. Evaluation Procedures following Submission of the Thesis

6



Principal

Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous College
Durg (C.G.)



On receipt of the thesis along with the certificates and fee it shall be sent to the examiners already consented as per Clause 13 (d) of the Ordinance.

16. The thesis to be accepted for the award of the Ph.D. degree must comply with the following conditions:
 - (a) It must be a piece of research work characterized either by the discovery of the facts or by a fresh approach towards the interpretation of facts. In either case it should evince the candidate's capacity for critical examination and sound judgment.
 - (b) It must be satisfactory in point of language and presentation of the subject matter.
17. The examiners shall categorically recommend in the prescribed proforma (**Appendix-7**) acceptance, revision or rejection of the thesis together with detailed comments on the points spelled out in clause 16 of the Ordinance. The examiner must also give a list of the questions he/she wishes to be asked at the viva-voce examination.
18.
 - (a) The examiners may seek clarification of the subject matter of the thesis from the Supervisor. The provision will be incorporated in the letter to be sent to the examiners while sending the thesis.
 - (b) The Kulapati can recall the thesis from an examiner who fails to send the report within three months of the date of dispatch of the thesis and appoint another examiner.
19.
 - (a) In case both the examiners reject the thesis or one of them rejects the thesis and the other recommends a revision the thesis shall be rejected.
 - (b) If both the examiners recommend for the revision of the thesis the candidate shall be called upon to revise the thesis in the light of the observations of the examiners.
 - (c) If one examiner approves the thesis and the other rejects it or recommends for revision the thesis shall be sent to the third examiner drawn from the panel of the examiners by the Kulapati with both the reports of earlier examiners. The names of earlier two examiners shall not be disclosed to the third examiner. The third examiner shall be asked to give his/her opinion on the points, raised by the earlier examiners while rejecting or recommending revision of the thesis. The opinion of the third examiner shall be final.
 - (d) In case both the original examiners accept the thesis for the award of the Ph.D. Degree or in the event of it being referred to the third examiner, the third examiner accepts the thesis for the award of the Ph.D. Degree, the candidate shall be called upon to appear at the viva-voce examination before a board of examiners comprising of the Supervisor, Co-Supervisor (if any) and one of the two examiners selected by the Kulapati who have accepted the thesis for the award of the Ph.D. Degree. Provided that the Kulapati shall appoint the Chairman, DRC or Chairman, Board of Studies of the subject concerned to act as viva-voce examiner, in place of the Supervisor in case the candidate is related (Clause 13e) to the Supervisor.
 - (e) The Supervisor/ Chairman, DRC, Chairman, Board of Studies of the subject concerned, as the case may be, shall be communicated the name of the external examiner appointed by the Kulapati to conduct the viva-voce examination. The date fixed for the viva-voce be informed to the candidate and the Registrar. Provided that in special circumstances Kulapati may appoint alternate viva-voce examiners if both the examiners are not in a position to conduct the viva-voce examination.
 - (f) The viva-voce examination shall be conducted at the University Teaching Department/School of Studies in the subject or at any place fixed by the University for the purpose. The date, time and place of viva-voce examination shall be notified by the Registrar on the University Notice Board about a week in advance. At the time of viva-voce examination the board of examiners shall be provided with the



reports of the examiners which shall be returned along with the report of viva-voce examination to the Registrar.

- (g) The candidate shall present the work embodied in the thesis before the board of examiners, members of faculty, research scholars and other interested persons. After the presentation of the research work the Board shall ask question together with those questions which have been given along with examiners reports. Others in the audience can also ask questions and the candidate shall reply only those questions which are permitted by the external examiner.
- (h) In case the recommendation of the viva-voce examiner differs from that of the thesis examiner or there is difference of opinion between the viva-voce examiners, the candidate shall re-appear at a second viva-voce examination within six months. If the candidate fails to satisfy the viva-voce examiners a second time, his/her thesis shall be finally rejected. Such candidates would be required to pay the prescribed additional fee for the second viva-voce. The external examiner for second viva-voce shall be appointed by the Kulapati.

20. If the examiners recommend that the candidate be asked to revise/improve his/her thesis, the Kulapati shall permit the candidate to resubmit his/her thesis not earlier than six months and not later than eighteen months, the period being counted from the date of the issue of order to the candidate. The candidate shall be provided examiner (s) reports without disclosing the names of the examiners to enable him/her to improve the thesis. All the copies of the thesis shall also be returned to the candidate.

In case the candidate is allowed to resubmit the thesis he/she will have to pay the prescribed fee afresh at the time of resubmission, but it shall not be necessary for him to reproduce any certificate of further attendance at the Institution at which he/she carried out the work.

The resubmitted three copies of the thesis must mark clear mention that it is a revised version.

The thesis shall be got examined as far as possible by the examiners who finally recommended for the revision.

In case both the examiners of revised thesis accept the thesis for the award then the candidate shall be awarded with the Ph.D. Degree on successful viva-voce examination as per provisions of clause 19 of the Ordinance.

In case a candidate is asked to revise the thesis under clause 19 (b) and one of the examiners recommends again for revision and the other accepts the thesis for award then the thesis shall be sent to the third examiner. If the third examiner rejects or recommends for revision the thesis shall stand rejected. If, he accepts for the award then the candidate shall be awarded with the Ph.D. Degree on successful viva-voce examination as per provision of clause 19 of the Ordinance.

In case a candidate who has been asked to revise to thesis under clause 19 (c) and one of the examiners recommends again for revision and the other accepts the thesis for award then the candidate shall be awarded with the Ph.D. Degree on successful viva-voce examination as per provision of clause 19 of the Ordinance.

If the revised thesis is required to be revised a second time it shall automatically stand rejected.

21. Maximum number of research candidates that can be registered and allowed to pursue research work under a supervisor at any particular time shall be SIX only. The submission of a thesis shall create a vacancy for the admission of a new candidate for Ph.D. degree under the concerned supervisor.


Provided that the candidates registered with the Co-supervisor shall not be counted for the number of candidates under a Supervisor.

8

Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College
Durg (C.G.)



22. No research scholar shall join any other course, study or appear at any other examination conducted by any University leading to a degree (except Certificate/Diploma course of Languages, Research Methodology, Statistics, Computer courses).
23. The candidate, if so desires, is allowed to publish his/her thesis. However, such publication shall state on the title page itself that this was a thesis approved for the award of the Ph.D. Degree of the University.
24. The University agrees that a Ph.D. student is the owner of the copyright in his/her thesis.
25. After the viva-voce, the recommendation of the examiners shall be reported to the Executive Council for the award of Ph.D. Degree to the candidate. One copy of the thesis will be kept in the University Library and another copy will be kept in the Departmental Library of the Institution where the research work was carried out; the third will be returned to the Supervisor.
26. After the declaration of the result the successful candidates may be provided with the copies of reports of examiners who recommended for the award of the degree on payment of the prescribed fee. The reports will not disclose the identity of the examiners.
27. The candidates who have been already registered for Ph.D. Degree under the repealed Ordinance will continue to be governed by the Provisions of the repealed Ordinance.
The candidates who have applied for registration but have not been registered till this Ordinance comes into force shall be governed by the provisions of this Ordinance.
28. On detection of any irregularity, the University shall take suitable steps to withdraw the degree as per provisions of section 6 (12) of the Adhiniyam.


Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College
Durg (C.G.)





हेमचंद्र यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

(पूर्व नाम- दुर्ग विश्वविद्यालय, दुर्ग)

रायपुर नाका दुर्ग (छ.ग.)-491001

ई मेल : academic@durguniversity.ac.in

वेब साइट : www.durguniversity.ac.in

दूरभाष : 0788-2359400

क्र. 1589 / अका. / 2019

दुर्ग, दिनांक 23/08/2019

// अधिसूचना //

कार्यालय आयुक्त, उच्च शिक्षा संचालनालय, ब्लॉक-सी-30, द्वितीय एवं तृतीय तल, इन्द्रावती भवन, नया रायपुर के पत्र क्र. 1900/05/आउशि/समन्वय/2018; दिनांक 06.08.2018 के द्वारा विश्वविद्यालय समन्वय समिति की बैठक दिनांक 19.04.2017 के प्रस्ताव क्रमांक 13, Revised Ordinance-107 - BACHELOR OF COMPUTER APPLICATION (BCA) को राजभवन रायपुर द्वारा अनुमोदन किया गया है इस संदर्भ में विश्वविद्यालय के विद्यापरिषद की स्थायी समिति की बैठक दिनांक 14.08.2019 में समिति की अनुशंसा के आधार पर पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर की अधिसूचना क्रमांक : 7039/अका./2018; रायपुर, दिनांक: 01/09/2018 को हेमचंद्र यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग में अंगीकृत कर मान्य किया जाता है।

संलग्न:- पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर की अधिसूचना प्रतिलिपि।

कुलसचिव

पृ.क्र. 1590/अका./2019

दुर्ग, दिनांक : 23/8/19

प्रतिलिपि:

1. आयुक्त, उच्च शिक्षा विभाग, द्वितीय एवं तृतीय तल, इन्द्रावती भवन, अटल नगर, रायपुर।
2. विभागाध्यक्ष, गोपनीय/परीक्षा विभाग, हेमचंद्र यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग।
3. कुलपति के निज सहायक/कुलसचिव के निज सहायक हेमचंद्र यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग।



सहा. कुलसचिव

Principal

Govt. Y.T.P.G. Autonomous College
Durg (C.G.)



पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

दूरभाष : 0771-2262802 (अकादमिक), 0771-2262540 (कुलसचिव), E-mail ID- academicprsu2@gmail.com

क्रमांक : 7039 /अका./2018

रायपुर, दिनांक : 1 /09/2018

II अधिसूचना II

एतद् द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि कार्यालय आयुक्त, उच्च शिक्षा संचालनालय, ब्लॉक-सी-30, द्वितीय एवं तृतीय तल, इन्द्रावती भवन, नया रायपुर के पत्र क्र. 1900/05/आउशि/समन्वय/2018 दिनांक 06.08.2018 के द्वारा विश्वविद्यालय समन्वय समिति की बैठक दिनांक 19.04.2017 के प्रस्ताव क्रमांक 13, Revised Ordinance-107.- BACHELOR OF COMPUTER APPLICATION (BCA) को राजभवन रायपुर द्वारा अनुमोदित किया गया है, जो निम्नानुसार है -

REVISED ORDINANCE - 107

(Under Section)

BACHELOR OF COMPUTER APPLICATION (BCA)

1. The Degree shall be known as Bachelor of Computer Application (BCA).
2. The duration of this course is extended over three academic sessions. These three years full time course has been broken into three parts:
Part I - Known as BCA Part-I
Examination at the End of First Year
Part II - Known as BCA Part-II
Examination at the End of Second Year
Part III- Known as BCA Part-III
Examination at the End of Third Year
3. Eligibility for Admission :

The minimum qualifications for admission to the BCA course shall be Higher Secondary (10+2) with Mathematics as one of the compulsory subject from any state board or central board or any other examination recognized equivalent there to by the University for the purpose. If the candidate does not have mathematics at 10+2 level as one of the compulsory subject then he/she may be provisionally allowed to take admission in the course subject to clear "Maths Bridge Course" along with the other compulsory papers. Board of Studies (BoS) of the University shall be authorized to prepare syllabus for Maths Bridge Course and to take any decision in this regard.

OR

Three Years Diploma Course in any discipline of Board of Technical Education, conducted by government of C.G. or other state government or its equivalent.

4. Student has to clear bridge course examination before appearing in the examination of third year of the course.
5. Bridge course shall not be treated as a core subject and hence will not be counted for supplementary examination and also not be considered for deciding division. Examination for bridge course shall be conducted along with supplementary examination also.


Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College
Durg (C.G.)



6. The admission to BCA course shall be made on merit basis and procedure is to be decided by the affiliated Colleges or University and any decision taken by the University in this regard shall be final.
7. English shall be the medium of instruction of examination for the course of study. However students may write in Hindi as well during the examinations.
8. The student admitted to BCA course shall not be permitted to appear in any other examination.
9. The BCA Course shall consist of: Schemes, Courses/ Papers and Practical's/ Projects as prescribed by concern Board of Studies from time to time.
10. A Student shall be declared pass at any part of BCA examination if he/she obtains at least 33% marks in each theory, 40% in each sessional and 50% in each practical along with 40% aggregate marks in each year of BCA course.
11. Students having less than 40% marks in aggregate will be declared as unsuccessful (Fail), and student shall be allowed to appear in forthcoming examination in any of the two papers of his/her choice.
12. A candidate who fails to obtain 33 % marks in theory and 50% marks in practical in any one or two papers in any part of the examination shall be eligible to appear in the Supplementary examination of respective paper conducted by the University.
13. A candidate, who fails to obtain minimum marks in sessional of any paper, he/she will be treated as Ex-Student and will have to appear in all theory and practical papers in the next year examination and will have earn requisite sessional marks.
14. In practical papers – An examiner will examine each examinee individually through records and viva-voce examination and by giving two or more exercises individually; duration of examination will be of three hours for each theory and practical paper.
15. A candidate declared pass at the BCA Part-I examination shall be eligible to be promoted to the BCA-II and shall be eligible for appearing in the BCA Part-II examination.
16. A candidate declared pass at the BCA Part-II examination shall be eligible to be promoted to the BCA-III and shall be eligible for appearing in the BCA Part-III examination.
17. A candidate who secures 60% or more marks in total aggregate of Part-I, Part-II and Part-III examinations shall be awarded First Division.
18. A candidate who secures less than 60% but greater than or equal to 45% marks in the total aggregate of marks shall be awarded Second Division.
19. A candidate who secures less than 45% but greater than or equal to 40% marks in the total aggregate of marks will be awarded Third Division.
20. For determining the division of such candidates who has passed the examination through the supplementary examination, actual marks obtained in the papers at the supplementary examination shall be included.
21. For the candidate failing in the Supplementary Examination of BCA Course, the provisions applicable for B.Sc. Examination of this University will be applicable.




Principal

Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College
Durg (C.G.)



22. A candidate not permitted to take up the any Part of examination due to shortage of attendance, shall be required to apply for admission as a fresh candidate in the next academic session.
23. The provision for revaluation in BCA course shall be same provided as B.Sc. Course of the University.
24. For the rules not defined here, the rules for B.Sc. Degree Examination at university shall apply here and in case of any conflict Board of Studies shall be empowered to take the decision accordingly.
25. The admission so granted shall be governed by the University rules applicable to all the students in the University and the decision of the Vice Chancellor in all cases shall be final.

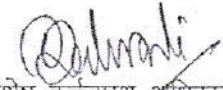
आदेशानुसार,

कुलसचिव

पृ.क्रमांक : 7040 /अक्र./2018

रायपुर, दिनांक : 1 /09/2018

प्रतिलिपि :-

01. माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति महोदय के सचिव, छत्तीसगढ़ राजभवन रायपुर
02. सचिव, उच्च शिक्षा छत्तीसगढ़ शासन, महानदी भवन मंत्रालय, नया रायपुर
03. सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, वित्त विभाग महानदी भवन मंत्रालय, नया रायपुर
04. आयुक्त, उच्च शिक्षा, ब्लॉक-सी-30, द्वितीय एवं तृतीय तल, इन्द्रावती भवन, नया रायपुर
05. अध्यक्ष, समस्त अध्ययनशाला/प्राचार्य, सम्बद्ध समस्त महाविद्यालय,
06. समस्त विभागीय अधिकारी,
07. कुलपति के सचिव/कुलसचिव के निजी सहायक,
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित।


विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी (अक्र.)





Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous College
Durg (C.G.)

Mechanism of Submission of Complaint

The complaints submitted to the autonomous exam cell include:

- (i) Complaints regarding content of the question paper.
- (ii) Complaints regarding correction of details in the mark sheet.
- (iii) Grievances regarding marks obtained by students.
- (iv) Grievance regarding eligibility to appear in the exam.

The complaints regarding question content of papers are submitted to the Controller Autonomous Exam cell and they are resolved by a committee consisting of subject expert, concerned subject HOD and the Controller.

Complaints regarding correction details in the mark sheets are submitted to the controller and the members of autonomous exam cell resolve them with the help of data entry operators by doing the necessary correction.

Grievances regarding marks obtained by students are resolved through the process of reevaluation / retotalling of answer sheets.

Grievances regarding eligibility to appear in the exam are resolved by exam committee.



Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College
Durg (C.G.)



GOVT. V.Y.T. PG AUTONOMOUS COLLEGE DURG 491001(C.G.) INDIA
(Former Name – Govt. Arts & Science College, Durg)
CPE Phase-III, DBT-Star College
Ph./ Fax: 0788-2359688,
Website: www.govtsciencecollegedurg.ac.in

POLICY OF GRIEVANCE REDRESSAL COMMITTEE

INTRODUCTION

As suggested by University Grant Commission, New Delhi, the College has established a Grievance Redressal Committee to provide a mechanism for Redressal of student's grievances and ensure a healthy learning atmosphere in the campus. The Grievance Redressal Committee of Govt. V.Y.T PG. Autonomous College, Durg, is created to redress the issues relating to academic, non-academic (including sanitation, health, examination) related grievances within the college campus. The students file the complaints through the suggestion box placed in front of the Principal chamber or submit it directly to the Grievance Committee. The Committee also focuses upon solving the grievances of the students within stipulated time.

COMPOSITION

The Committee comprises the Principal as the patron and at least 5 senior faculty members (male & female).

OBJECTIVES

- To redress the issues raised by the students regarding the grievances related to the college within the stipulated time (24 hours).




Principal
Govt. V.Y.T. PG. Autonomous College
Durg (C.G.)

- To encourage the students to express their grievances/ problems freely and frankly without any fear of being victimized.
- Advising all the students to refrain from inciting each other.
- To maintain the healthy academic environment of the college
- The Committee deals with grievances related to academics, examination, sanitation, cleanliness and little squabbles among them.

MECHANISM OF GRIEVANCE REDRESSAL COMMITTEE

- A student can complain through the complaint box placed in front of the principal chamber (if the student wants to be anonymous) or directly approach the Committee members.
- The complaint shall be accepted in writing only. If a student faces any problem in writing a complaint, then the committee members shall assist the complainant.
- The complaints of the students are maintained through the Grievance Redressal register & accordingly, the meeting is called and within the stipulated time (24 hours) the concerns of the students are redressed.




Principal
Govt. Y.T.P.S. Autonomous College
Durg (C.G.)

Laws and Procedures: Sexual Harassment in the Workplace

Vishaka Guidelines against Sexual Harassment in the Workplace

Guidelines and norms laid down by the Hon'ble Supreme Court in
Vishaka and Others Vs. State of Rajasthan and Others (JT 1997 (7) SC 384)

HAVING REGARD to the definition of 'human rights' in Section 2 (d) of the Protection of Human Rights Act, 1993,

TAKING NOTE of the fact that the present civil and penal laws in India do not adequately provide for specific protection of women from sexual harassment in work places and that enactment of such legislation will take considerable time,

It is necessary and expedient for employers in work places as well as other responsible persons or institutions to observe certain guidelines to ensure the prevention of sexual harassment of women.

1. Duty of the Employer or other responsible persons in work places and other institutions

It shall be the duty of the employer or other responsible persons in work places or other institutions to prevent or deter the commission of acts of sexual harassment and to provide the procedures for the resolution, settlement or prosecution of acts, of sexual harassment by taking all steps required.

2. Definition

For this purpose, sexual harassment includes such unwelcome sexually determined behaviour (whether directly or by implication) as:


- a) Physical contact and advances;
- b) A demand or request for sexual favours;
- c) Sexually coloured remarks;
- d) Showing pornography;
- e) Any other unwelcome physical, verbal or non-verbal conduct of sexual nature

Where any of these acts is committed in circumstances where-under the victim of such conduct has a reasonable apprehension that in relation to the victim's employment or work whether she is drawing salary, or honorarium or voluntary, whether in government, public or private enterprise such conduct can be humiliating and may constitute a health and safety problem. It is discriminatory for instance when the woman has reasonable grounds to believe that her objection would disadvantage her in connection with her employment or work including recruiting or promotion or when it creates a hostile work environment. Adverse consequences might be visited if the victim does not consent to the conduct in question or raises any objection thereto.

3. Preventive Steps

All employers or persons in charge of work place whether in public or private sector should take appropriate steps to prevent sexual harassment. Without prejudice to the generality of this obligation they should take the following steps:




Principal
Govt. Y.T.P.G. Autonomous College
Durg (C.G.)

- (a) Express prohibition of sexual harassment as defined above at the work place should be notified, published and circulated in appropriate ways.
- (b) The Rules/Regulations of Government and Public Sector bodies relating to conduct and discipline should include rules/regulations prohibiting sexual harassment and provide for appropriate penalties in such rules against the offender.
- (c) As regards private employers, steps should be taken to include the aforesaid prohibitions in the standing orders under the Industrial Employment (Standing Orders) Act, 1946.
- (d) Appropriate work conditions should be provided in respect of work, leisure, health and hygiene to further ensure that there is no hostile environment towards women at work places and no employee woman should have reasonable grounds to believe that she is disadvantaged in connection with her employment.

4. Criminal Proceedings

Where such conduct amounts to a specific offence under the Indian Penal Code or under any other law, the employer shall initiate appropriate action in accordance with law by making a complaint with the appropriate authority.

In particular, it should ensure that victims, or witnesses are not victimized or discriminated against while dealing with complaints of sexual harassment. The victims of sexual harassment should have the option to seek transfer of the perpetrator or their own transfer.

5. Disciplinary Action

Where such conduct amounts to misconduct in employment as defined by the relevant service rules, appropriate disciplinary action should be initiated by the employer in accordance with those rules.

6. Complaint Mechanism

Whether or not such conduct constitutes an offence under law or a breach of the service rules, an appropriate complaint mechanism should be created in the employer's organisation for redress of the complaint made by the victim. Such complaint mechanism should ensure time bound treatment of complaints.


7. Complaints Committee

The complaint mechanism, referred to in (6) above, should be adequate to provide, where necessary, a Complaints Committee, a special counsellor or other support service, including the maintenance of confidentiality.

The Complaints Committee should be headed by a woman and not less than half of its member should be women. Further, to prevent the possibility of any undue pressure or influence from senior levels, such Complaints Committee should involve a third party, either NGO or other body who is familiar with the issue of sexual harassment.

The Complaints Committee must make an annual report to the Government department concerned of the complaints and action taken by them.




Principal
Govt. Y.T.P.G. Autonomous College
Durg (C.G.)

The employers and person in charge will also report on the compliance with the aforesaid guidelines including on the reports of the Complaints Committee to the Government department.

8. Worker's Initiative

Employees should be allowed to raise issues of sexual harassment at a workers' meeting and in other appropriate forum and it should be affirmatively discussed in Employer-Employee Meetings.

9. Awareness

Awareness of the rights of female employees in this regard should be created in particular by prominently notifying the guidelines (and appropriate legislation when enacted on the subject) in a suitable manner.

10. Third Party Harassment

Where sexual harassment occurs as a result of an act or omission by any third party or outsider, the employer and person in charge will take all steps necessary and reasonable to assist the affected person in terms of support and preventive action.

11. The Central/State Governments are requested to consider adopting suitable measures including legislation to ensure that the guidelines laid down by this order are also observed by the employers in Private Sector.

12. These guidelines will not prejudice any rights available under the Protection of Human Rights Act, 1993.

Other legal provisions include filing a **criminal case** under sections of the Indian Penal Code (IPC), the Indecent Representation of Women (Prohibition) Act and/or filing a civil suit.

The sections of the **Indian Penal Code** that can be applicable to sexual harassment (which makes it a criminal case):

1. Section 294

'Whoever, to the annoyance of others, (a) does any obscene act in any public place, (b) sings, recites and utters any obscene songs, ballads or words, in or near any public space, shall be punished with imprisonment of either description for a term that may extend to three months, or with fine, or with both.' This provision is included in Chapter XVI entitled 'Of Offences Affecting Public Health, Safety, Convenience and Morals' and is cognisable, bailable and triable by any magistrate.

2. Section 354

Whoever assaults or uses criminal force on any woman, intending to outrage her modesty or knowing it likely that he will thereby outrage her modesty, shall be punished with imprisonment for a term which may extend to two years, or with fine, or with both.

3. Section 509

(Word, gesture or act intended to insult the modesty of a woman) This is included in Chapter 22 entitled 'Of Criminal Intimidation, Insult and Annoyance', and is cognisable, bailable and triable by any magistrate. It holds: 'Whoever, intending to insult the modesty of



Handwritten signature

Principal


Govt. Y.T.P.G. Autonomous College
Durg (C.G.)

a woman, utters any word, makes any sound or gesture, or exhibits any object, intending that such word or sound shall be heard, or that such gesture is seen by such woman, or intrudes upon the privacy of such woman, shall be punished with simple imprisonment for a term which may extend to one year, or with fine, or with both.'

Under the **Indecent Representation of Women (Prohibition) Act (1987)** if an individual harasses another with books, photographs, paintings, films, pamphlets, packages, etc. containing the "indecent representation of women", they are liable for a minimum sentence of 2 years. Section 7 (Offenses by Companies) further holds companies where there has been "indecent representation of women" (such as the display of pornography) on the premises, guilty of offenses under this act, with a minimum sentence of 2 years.

Civil case

A civil suit can be filed for damages under tort laws. That is, the basis for filing the case would be mental anguish, physical harassment, loss of income and employment caused by the sexual harassment.


(Dr. Aika Teiwari)




Principal
Govt. Y.T.P.G. Autonomous College
Burg (C.G.)



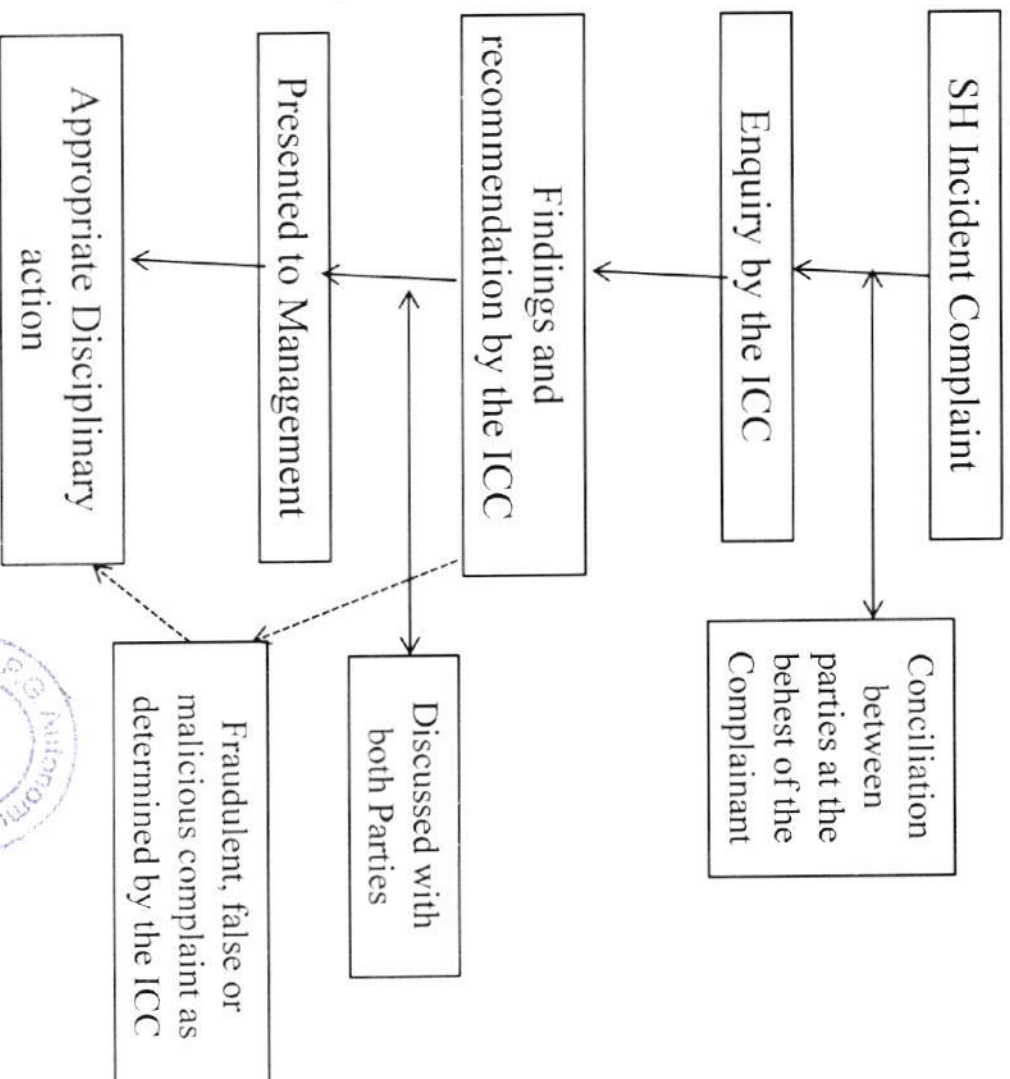
Complaint Mechanism

An aggrieved woman who intends to file a complaint is required to submit six copies of the written complaint, along with supporting documents and names and addresses of the witnesses to the ICC or LCC, within 3 months from the date of the incident and in case of a series of incidents, within a period of 3 months from the date of the last incident. The ICC/ LCC can extend the timeline for filing the complaint, for reasons to be recorded in writing, by a period of 3 months. The law also makes provisions for friends, relatives, co-workers, psychologist, psychiatrists, etc. to file the complaint in situations where the aggrieved employee is unable to make the complaint on account of physical incapacity, mental incapacity.




Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous
College, Durg (C.G.)

Redressal Process



Written complaint to be made within 90 days of the incident

All parties interviewed on record. Documentary evidence examined

Inquiry to be completed within 90 days by the ICC

ICC report to be issued within 10 days from the completion of the inquiry

Management to act on the ICC report within 60 days of receipt

Principal
G.V.T.P.G. Autonomous College, Durg (C.G.)

Women Cell and Vishakha Committee
Govt. V.Y.T. P.G. Autonomous College , Durg

**Steps and Preventive Measures taken by
committee**

1. Vishakha committee has been formed to ensure the prevention for sexual harassment of women.
2. A complaint committee is working under the Vishakha committee consisting of the following members:


**Chairperson: Dr. Ranjana Shrivastava, HoD,
Deptt. Of Botany**

Members :

Dr. Qamar Talat

Dr. Than Singh Verma




Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College
Durg (C.G.)

Dr. Ashwani Mahajan

Dr. Suchitra Sharma

Dr. Vijay Laxmi Naidu,

Dr. Tarlochan Kaur

Dr. Mercy George

Mrs. Neetu Das

Third party member

NGO Member : Mrs. Vinita Vaishnav

Women Cell Committee

Convenor Dr. Alka Tiwari

Members

: Dr. Somali Gupta


Dr. Baljeet Kaur

Dr. Shikha Agarwal

Dr. Manju Kaushal

Dr. Suchitra Sharma




Principal
Govt. Y.T.P.G. Autonomous College
Durg (C.G.)

Dr. Nutan Rathod

Dr. Suchitra Gupta


Dr. Divya Minj

Dr. Mercy George

Dr. Rachita Shrivastava

3. Rules and Regulations has been displayed and circulated in Notice Board.
4. The Vishakha guidelines against sexual harassment in the workplace have been circulated to all the departments of college to make all professors / Assistant Professor and other employees of department become aware of the rules and can help the students at the time of need .
5. The counselling programmes were organized for the students and they were made free to ask queries to the resource person and satisfy themselves.




Principal
Govt. Y.T.P.G. Autonomous College
Durg (C.G.)

6. The students were ask to communicate the knowledge and rules they have received during the counselling programmes to other students or person.
7. During parent teacher meeting the parents are also made aware of the activities of committee and asked them to make aware of other children regarding this.
8. The college atmosphere is made very healthy educating the students in their regards.
9. The gender equity programmes have been also organized.
10. The students were made free to share their problems with their professors.
11. The students were made confident that they will get support by their teachers and committee members at the time of need.




Principal
Govt. V.K.P.G. Autonomous College
Durg (C.G.)